SIKKIM UNIVERSITY

(A Central University Established by an Act of Parliament of India, 2007)

LEARNING OUTCOME - BASED CURRICULUM

M.A. HINDI COURSEWORK

(With effect from Academic Session 2023-24)

DEPARTMENT OF HINDI

SIKKIM UNIVERISTY

6TH MILE, TADONG - 737102

GANGTOK, SIKKIM, INDIA

VICE-CHANCELLOR'S MESSAGE

Sikkim University stands at the forefront of embracing the transformative National Education Policy (NEP) 2020. In alignment with NEP 2020's vision and the guidelines of the Learning Outcomes-based Curriculum Framework (LOCF) mandated by the UGC, we have undertaken a comprehensive revision of our curriculum across all departments. This initiative ensures a holistic educational experience that transcends traditional knowledge delivery, emphasizing the practical application of knowledge in real-world scenarios.The shift towards LOCF marks a pivotal change from teacher-centric to learner-centric education, fostering a more active and participatory approach to learning. Our updated curriculum clearly defines Graduate Attributes, Programme Learning Outcomes (PLOs), and Course Learning Outcomes (CLOs), setting clear objectives for our students to achieve. This revision is designed to enable a teaching-learning environment that supports the attainment of these outcomes, with integrated assessment methods to monitor and encourage student progress comprehensively.

A key innovation in our curriculum is the mandatory integration of Massive Open Online Courses (MOOCs) through the SWAYAM platform, enhancing accessibility and the breadth of learning opportunities for students. Our approach encourages multidisciplinary studies through the curriculum while allowing for specialization. The curriculum embodies the policy's core principle of flexibility by enabling mobility for students, thereby allowing the exit and entry of students in the program.

I extend my heartfelt gratitude to our faculty, the Head of the Department, the Curriculum Development Committee members, the NEP coordinators, and the dedicated NEP Committee of Sikkim University for their relentless dedication to updating our curriculum. I appreciate Prof. Yodida Bhutia, the Chairperson, and all dedicated NEP Committee members for their thorough review and integration of LOCF and NEP components into our curriculum.

To our students, I convey my best wishes as we embark on this journey with our updated and inclusive curriculum, aiming not only to enrich their academic knowledge but also to nurture their personal growth, critical thinking, and ability to adapt and innovate in an ever-changing world.

Best wishes,

Prof. Avinash Khare
Honourable Vice Chancellor
Sikkim University

पाठ्यक्रम सूची

क्र.सं.	विषय		
1.	प्रस्तावना (Preamble)		1
2.	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की विशेषताएँ (Post Graduate Attributes)		1
3.	पाठ्यक्रम के अपेक्षित अधिगम परिणाम(Programme Learning Outcomes)		2
4.	पाठ्यक्रम का विवरण		4
	प्रथम सेमेस्टर		
5.	HIN-C-501	हिंदी कथा साहित्य	6
6.	HIN-C-502	आधुनिक हिंदी काव्य	8
7.	HIN-C-503	हिंदी साहित्य का इतिहास-I	10
8.	HIN-C-504	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	13
9.	HIN-C-505	सिनेमा और संस्कृति	15
10.	HIN-V-506	भारतीय ज्ञान परंपरा	17
	द्वितीय सेमेस्टर		
11.	HIN-C-551	हिंदी नाटक और रंगमंच	19
12.	HIN-C-552	आधुनिक साहित्य चिंतन और आलोचना	21
13.	HIN-C-553	आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य	23
14.	HIN-V-554	साइबर सिक्यूरिटी	26
15.	HIN-P-555	सृजनात्मक लेखन	28
16.	HIN-S-556	अकादमिक लेखन	30
17.	HIN-E 557	प्रेमचंद- विशेष अध्ययन	32
18.	HIN-E-558	आचार्य रामचंद्र शुक्ल - विशेष अध्ययन	34
19.	HIN-E-559	कबीर - विशेष अध्ययन	36
20.	HIN-E-560	तुलसी -विशेष अध्ययन	39
	तृतीय सेमेस्टर		
21.	HIN-C-601	हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	41
22.	HIN-C-602	हिन्दी की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रकारिता	43
23.	HIN-C-603	अनुसंधान प्रविधि	45
24.	HIN-C-604	हिंदी साहित्य का इतिहास-II	47
25.	HIN-E-605	पूर्वोत्तर का हिंदी साहित्य	49
26.	HIN-E-606	प्रवासी साहित्य	51
27.	HIN-E-607	रत्न हरि : विशेष अध्ययन	54
28.	HIN-E-608	समकालीन गद्य साहित्य	57

29.	HIN-E-609	समकालीन हिन्दी काव्य	59
30.	HIN-E- 610	पर्यावरणीय हिंदी साहित्य	61
31.	HIN-E- 611	कथेतर हिंदी साहित्य	64
32.	HIN-C-651	आधुनिक विमर्श	68
33.	HIN-C-652	आधुनिक भारतीय साहित्य	70
34.	HIN-O-653	अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार	72
35.	HIN-R-654	लघु शोध-प्रबंध	74

QUEST
KNOWLEDGE
WISDOM
SIKKIM UNIVERSITY
ESTD
2007

प्रस्तावना (Preamble) -

स्नातकोत्तर प्रोग्राम का पाठ्यक्रम कम से कम 80 क्रेडिट का अपेक्षित है. आवश्यकता पड़ने पर क्रेडिट की संख्या को बढाया भी जा सकता है. दो वर्षीय स्नातकोत्तर हिन्दी भाषा और साहित्य के पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषा और साहित्य विषयक व्यापक समझ विकसित करना है।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की विशेषताएँ (Post Graduate Attributes)- -हिंदी स्नातकोत्तर प्रोग्राम में सफलता प्राप्त शिक्षार्थी में निम्नलिखित स्नातकोत्तर गुण होंगे -

PGA1 इसके अंतर्गत हिन्दी भाषा और साहित्य का विस्तृत और सुसंगत ज्ञान एक विषय विशेष के रूप में स्थापित होगा, इसके साथ ही अन्य विषयों के साथ इसका संबंध भी स्थापित हो सकेगा। हिन्दी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में वर्तमान उभरते हुए विमर्शों की समझ विकसित होगी। हिन्दी भाषा और साहित्य से संबन्धित क्षेत्रों में अनुसंधान से संबन्धित प्रक्रियात्मक ज्ञान की समझ विकसित हो सकेगी।

PGA2तार्किक दृष्टि और समस्या समाधान ज्ञान के विकास के लिए अपेक्षित और भाषा और साहित्य से संबन्धित मुद्दों सिद्धांतों प्रथाओं और नीतियों का गंभीर विश्लेषण और मूल्यांकन की क्षमता का विकास

PGA3 हिन्दी भाषा एवं साहित्य में नए ज्ञान के लिए जिज्ञासा , समस्याओं को पहचानने की क्षमता , अनुसंधान का प्रारूप तैयार करना, विश्लेषणकरना, व्याख्या करना और निष्कर्ष निकालने की क्षमता विकसीट करना।अनुसंधान नैतिकता का पालन करते हुए अनुसंधान अध्ययनों की परिणामों की प्रस्तुती करना।

PGA4 संचार कौशल: इसके अंतर्गत दूसरे की बात को ध्यान से सुनना , ग्रन्थों एवं शोध पत्रों को विश्लेषणात्मक ढंग से पढ़न और विचारों को लिखित एवं मौखिक रूप में प्रभावी ढंग से विकत करना।

PGA5 डिजिटल ज्ञान और कौशल: विभिन्न प्रकार की सीखने एवं कार्य करने की स्थितियों में आईसी टी का उपयोग करने में और समाग्री का शोध कार्य में उपयुक्त सॉफ्टवेयर का उपयोग करना।अपने पाठ्यक्रम में उपयुक्त डिजिटल संसाधनों का उपयोग करना।

PGA6 टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता: इसके अंतर्गत एक व्यक्ति के तौर पर प्रभावी एवं सम्मान पूर्ण ढंग से काम करना और विविध समूहों को नेतृत्व प्रदान करना।

PGA7 बहु सांस्कृतिक क्षमता: इसके अंतर्गत बहू सांस्कृतिक समाज में विविधता का सम्मान करते हुए प्रभावी ढंग से ज्ञान मूल्यों और विश्वासों को प्रदशित करने की क्षमता पैदा करना।

PGA8 मूल्यों का समावेश: इसके अंतर्गत संवेधानिक , मानवतावादी एवं नैतिक आचरण करने की क्षमता विकसित करना। एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिकता को अपनाना , पर्यावरण संरक्षण एवं सत्त विकास के लिए प्रयास करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित अधिगम परिणाम (Programme Learning Outcomes) -

हिन्दी विभाग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के निम्नलिखित अपेक्षित परिणाम एवं उपलब्धियां होंगी-

PLO1 हिन्दी भाषा और साहित्य की समाजशास्त्रीय , मनोवैज्ञानिक , ऐतिहासिक , सौंदर्यशास्त्रीय और काव्यशास्त्रीय उन्नत ज्ञान एवं समझ विकसित होगी ।

PLO2 हिन्दी भाषा और साहित्य के अनुसंधान का ज्ञान और समझ को विकसित करना।

PLO3 अनुसंधान एवं विकास से संबंधित जटिल कार्य का प्रक्रियात्मक ज्ञान।

PLO4 हिन्दी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में प्रासंगिक अनुसंधान के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक और तकनीकी कौशल की क्षमता का विकास करके ज्ञान के नए क्षेत्रों की खोज करना।

PLO5 किसी विशेष क्षेत्र के बारे में अर्जित सैद्धांतिक या तकनीकी ज्ञान के द्वारा हिन्दी भाषा और साहित्य की समस्याओं और मुद्दों की पहचान और विशेल्शन करने के लिए व्यावहारिक कौशल की क्षमता का विकास।

PLO6 अनुसंधान विधियों से संबंधित ज्ञान को हिन्दी भाषा और साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर लागू करना और जटिल समस्याओं का साक्ष्य आधारित समाधान प्रस्तुत करना।

PLO7 ग्रन्थों और शोध पत्रों का विशेलेषणात्मक अध्ययन करना और भाषा और साहित्य के क्षेत्र में किए गए अनुसंधान के निष्कर्षों को संप्रेषित करना।

PLO8 हिन्दी भाषा और साहित्य के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से स्वनिर्देशित शिक्षा प्राप्त करना।

PLO9 शोध समस्याओं को पारिभाषित करना , उचित शोध पत्र तैयार करना , शोध का प्रारूप बनाना और शोध कार्य से संबंधित उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग करके अनुसंधान नैतिकता का पालन करते हुए रिपोर्ट तैयार करना।

PLO10 अनुसंधान समस्याओं को हल करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास। हिन्दी भाषा और साहित्य के शोध कार्य के लिए जवाबदेही लेना।

PLO11 संवैधानिक, मानवातावादी और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाते हुए हिन्दी भाषा और साहित्य से संबंधित सभी पहलुओं में वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रहते हुए पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध रहना।

PLO12 विविधता का सम्मान करना और वैश्विक बहुसांस्कृतिक समाज में शामिल होकर योगदान देना।

PLO13 रोजगार के लिए वांछित कौशल और ज्ञान को धारण करना जिससे भविष्य में होने वाली तीव्र गति के तकनीकी विकास और नवीन खोजों को आत्मसात किया जा सके।

पाठ्यक्रम का विवरण

प्रथम सेमेस्टर					
पत्र संख्या	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	कुल अंक	आंतरिक अंक	बाह्य अंक
HIN-C-501	हिंदी कथा साहित्य	4	100	50	50
HIN-C-502	आधुनिक हिंदी काव्य	4	100	50	50
HIN-C-503	हिंदी साहित्य का इतिहास-I	4	100	50	50
HIN-C-504	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	100	50	50
HIN-C-505	सिनेमा और संस्कृति	4	100	50	50
HIN-V-506	भारतीय ज्ञान परंपरा	2	50	25	25
	कुल	22	550	275	275
द्वितीय सेमेस्टर					
HIN-C-551	हिंदी नाटक और रंगमंच	4	100	50	50
HIN-C-552	आधुनिक साहित्य चिंतन और आलोचना	4	100	50	50
HIN-C-553	आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	100	50	50
HIN-V-554	साइबर सिक्यूरिटी	2	50	25	25
HIN-P-555	सृजनात्मक लेखन	2	100	25	25
HIN-S-556	अकादमिक लेखन	2	50	25	25
ऐच्छिक (निम्नलिखित पत्रों में से किसी एक का चयन करना होगा)					
HIN-E 557	प्रेमचंद- विशेष अध्ययन	4	100	50	50
HIN-E-558	आचार्य रामचंद्र शुक्ल - विशेष अध्ययन				
HIN-E-559	कबीर - विशेष अध्ययन				
HIN-E-560	तुलसी -विशेष अध्ययन				
	कुल	22	550	275	275

तृतीय सेमेस्टर					
HIN-C-601	हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	4	100	50	50
HIN-C-602	हिन्दी की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रकारिता	4	100	50	50
HIN-C-604	हिंदी साहित्य का इतिहास-II	4	100	50	50
HIN-C-612	शोध-प्रविधि	4	100	50	50
ऐच्छिक (निम्नलिखित पत्रों में से किसी एक का चयन करना होगा)					
HIN-E-606	पूर्वोत्तर का हिंदी साहित्य	4	100	50	50
HIN-E-607	प्रवासी साहित्य				
HIN-E-608	रत्न हरि : विशेष अध्ययन				
HIN-E-609	समकालीन गद्य साहित्य				
HIN-E-610	समकालीन हिन्दी काव्य				
HIN-E-611 ---------- -- HIN-E-612	पर्यावरणीय हिंदी साहित्य ---------- कथेतर हिंदी साहित्य				
	कुल	20	500	275	275
चतुर्थ सेमेस्टर					
HIN-C-651	आधुनिक विमर्श	4	100	50	50
HIN-C-652	आधुनिक भारतीय साहित्य	4	100	50	50
HIN-O-653	अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार	2	50	25	25
HIN-R-654	लघु शोध-प्रबंध	12	360	150	150
	कुल	22	550	275	275
	समुच्चय कुल	86	2260	1150	1050

C - Core, E - Elective, V- Value added, O- Open, R- Research, P - Practicum, S - Skill Enhancement Courses

HIN-V–501

हिंदी कथा साहित्य

सेमेस्टर: प्रथम कोर्स स्तर : 50 0 कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+ 0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान :45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

- उपन्यास एवं कथा साहित्य के तात्विक स्वरुप से विद्यार्थी परिचित होंगे.
- कथा साहित्य तथा अन्य साहित्यिक विधाओं का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे.
- हिंदी कथा साहित्य के विकास क्रम से परिचित होंगे.
- हिन्दी उपन्यास एवं कहानियों की मूल प्रवृत्तियों को जानने में विद्यार्थी सक्षम होंगे.
- हिंदी उपन्यास एवं कहानियों के तात्विक स्वरुप एवं विकास क्रम से परिचित होंगे एवं पाठ्यक्रम में लगे उपन्यास एवं कहानियों का आस्वादन,अध्ययन एवं मूल्याङ्कन कर सकेंगे.

इकाई 1 : हिंदी उपन्यास - मैला आंचल: फणीश्वरनाथ रेणु

- मैला आंचल और आंचलिक उपन्यास की अवधारणा
- मैला आंचल का कथ्य
- मैला आंचल में सामाजिक और राजनितिक संदर्भ
- मैला आंचल : भाषा और शिल्प

इकाई 2 : हिंदी उपन्यास - राग दरबारी: श्रीलाल शुक्ल

- राग दरबारी उपन्यास की कथावस्तु
- राग दरबारी उपन्यास का उद्देश्य
- राग दरबारी उपन्यास के पात्र और चरित्र चित्रण
- राग दरबारी उपन्यास की भाषा और शिल्प

इकाई 3- हिंदी कहानी -1

- दुलाई वाली : राजेन्द्र बाला घोष
- कफ़न :प्रेमचंद

- कोसी का घटवार : शेखर जोशी
- अमृतसर आ गया : भीष्म साहनी

इकाई 4 - हिंदी कहानी - 2

- गुंडा : जयशंकर प्रसाद
- मानपत्र :संजीव
- तिरिया चरित्र : शिवमूर्ति
- अम्मा : ओमप्रकाश वाल्मीकि

शिक्षण अधिगम पद्धति

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित ग्रन्थ सूची :

1. सिंह,डॉ.बच्चन (सं) प्रतिनिधि कहानियां.अनुराग प्रकाशन,वाराणसी1.गोदान : प्रेमचंद,सरस्वती प्रेस,अंसारी रोड,दरियागंज,नई दिल्ली.
2. रेणु,फणीश्वरनाथ,मैला आँचल,राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाषचन्द्र मार्ग,दरिया गंज,नई दिल्ली.
3. दास,लाला श्रीनिवास,परीक्षा गुरु
4. शुक्ल,श्री लाल.राग दरबारी,राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाषचन्द्र मार्ग,दरिया गंज,नई दिल्ली.
5. सोबती,कृष्णा.जिंदगीनामा.
6. साने,डॉ श्री एवं दीक्षित,डॉ आनंद प्रकाश.प्रेमचंद : एक सिंहावलोकन.
7. गवली, डॉ भाऊसाहेब.प्रेमचंद के उपन्यास में स्त्री-पुरुष सम्बन्ध.
8. कर्ण,डॉ चंद्रशेखर.गोदान : संवेदना और शिल्प.
9. मिश्र,डॉ रामदरस.(सं).हिंदी के आंचलिक उपन्यास.
10. नागर,दिपशंकर,हिंदी के आंचलिक उपन्यास : सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ.

HIN-V-502

आधुनिक हिंदी काव्य

सेमेस्टर: प्रथम कोर्स स्तर : 50 0 कुल अंक 100

L+T+P: 3+1+ 0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान :45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :
इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1: **आधुनिक काल के महत्वपूर्ण कवियों एवं उनकी कृतियों की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी**
CLO 2 : आधुनिक कालीन पद्य साहित्य को समझने में विवेक विकसित होगा
CLO 3 : आधुनिक कालीन कविताओं में निहित भाव एवं कला सौन्दर्य से परिचित हो पाएंगे
CLO 4 : आधुनिक कालीन पद्य साहित्य की विविध विधाओं में रचित महत्वपूर्ण रचनाओं के उद्देश्य से परिचित हो पाएंगे

इकाई 1 –भारतेंदु युग और द्विवेदी युग

- **भारतेंदु हरिश्चंद- प्रेम-मल्लिका**
- **मैथिलीशरण गुप्त- भारत-भारती**

इकाई 2 - छायावाद और छायावादोत्तर

- **जयशंकर प्रसाद-कामायनी - श्रद्धा सर्ग**
- **महादेवी वर्मा -पंथ होने दो अपरिचित, मधुर मधुर मेरे दीपक जल,**
- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - राम की शक्ति पूजा**
- **सुमित्रानंदन पंत : नौका विहार, मौन निमंत्रण**
- **नागार्जुन - प्रेत का बयान**
- **दिनकर - रश्मिरथी**

इकाई 3 - प्रयोगवाद और नई कविता

- **अज्ञेय -कलगी बाजरे की**
- **शमशेरबहादुर सिंह - बात बोलेगी**
- **मुक्तिबोध- अंधेरे में (खंड- 4 और 8)**
- **रघुवीर सहाय- रामदास**
- **सर्वेश्वरदयाल सक्सेना- तुम्हारे साथ रहकर**

- **धूमिल- मोचीराम**
- **कुँवर नारायण- नचिकेता**
- **केदारनाथ सिंह- मातृभाषा**

इकाई 4 -समकालीन कविता

- **अनामिका- एक औरत का पहला राजकीय प्रवास, बेजगह**
- **अरुण कमल- धार**
- **राजेश जोशी- इत्यादि**
- **नरेश सक्सेना- दाग धब्बे**
- **आलोक धन्वा- भागी हुई लड़कियां**

शिक्षण अधिगम पद्धति

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन**
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा**

प्रस्तावित ग्रन्थ सूची :

1. **प्रसाद, जयशंकर, 1997 ई. - कामायनी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी**
2. **(सं) पाण्डेय, डॉ चन्द्रकला, आधुनिक हिंदी कविता, आनंद प्रकाशन, कोलकाता**
3. **चतुर्वेदी, रामस्वरूप - सन 2012, हिंदी काव्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
4. **वर्मा, महादेवी - सन 2010, दीप-शिखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
5. **सर्राफ, रामकली - सन 2008, समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी**
6. **श्रीवास्तव, परमानन्द-सन 2003, दिशांतर. अनुराग प्रकाशन, वाराणसी**
7. **सिंह, नामवर - सन 2013, आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
8. **तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद - सन 2002, आधुनिक हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
9. **रवि, प्रशांत रमण - सन 2018, आधुनिक हिंदी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली**
10. **तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद - सन 2010, समकालीन हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

HIN-V–503

हिंदी साहित्य का इतिहास - 1

सेमेस्टर: प्रथम कोर्स लेवल : 50 0 कुल अंक 100

L+T+P: 3+1+ 0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान :45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO:1 साहित्य, इतिहास, साहित्येतिहास की अवधारणा एवं उपयोगिता को समझ पाएंगे

- CLO:2 आदिकाल की परिस्थितियों एवं मूल प्रवृत्तियों की समझ विकसित होगी
- CLO:3 भक्ति आंदोलन का उदय, परिस्थितिजन्य कारण एवं विकास की समझ विकसित होगी.
- CLO:4 भक्तिकाल की विविध धाराएँ एवं प्रवृतियों को समझ सकेंगे.

CLO:5 रीतिकाल का परिचय एवं परिस्थितियों की समझ विकसित होगी

इकाई 1 साहित्येतिहास की अवधारणा, काल विभाजन और नामकरण

- साहित्य, इतिहास, साहित्येतिहास, इतिहास लेखन की परंपरा
- साहित्येतिहास की उपयोगिता
- काल विभाजन आवश्यकता और नामकरण का आधार
- आदिकाल : परिचय ,आदिकाल : नामकरण की समस्याएँ ,आदिकालीन परिस्थितियाँ, प्रमुख कवि सरहपा, स्वयंभू, चंदवरदाई, नरपति नाल्ह, गोरखनाथ, अमीर खुसरो और विद्यापति,आदिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई 2 भक्तिकाल: निर्गुण भक्ति

- भक्ति आंदोलन का उदय,एवं विकास
- भक्ति काव्य स्वरूप और भेद ,भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंत:प्रादेशिक संबंध,
- संत काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ , वैचारिक आधार एवं विशिष्ट कवि - कबीर, दादू, नानक, नामदेव
- सूफी काव्य का वैचारिक आधार , काव्य रूढ़ियाँ , सूफी धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशिष्ट कवि- मुल्ला दाउद, कुतुबन, मंझन , जायसी

इकाई 3 : भक्तिकाल - सगुण भक्ति

- सगुण भक्ति के दार्शनिक आधार और विविध सम्प्रदाय, मधुरोपासना
- कृष्ण काव्य धारा और अष्टछाप का परिचय, विशिष्ट कवि सूरदास, मीरा, रसखान,कृष्ण काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- राम काव्य धारा का परिचय , विशिष्ट कवि तुलसीदास एवं राम काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- भक्ति काल हिंदी साहित्य का स्वर्ण काल

इकाई 4 : रीतिकाल

- दरबारी संस्कृति और रीतिकाल
- रीतिकाल की परिस्थितियाँ,रीतिकाल का नामकरण और विशिष्ट कवि- केशव, देव, बिहारी, सेनापति, पदमाकर, ठाकुर, गुरु गोविन्द सिंह
- प्रमुख धारा -रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध, और रीतिमुक्त
- रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ,

शिक्षण अधिगम पद्धति

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित ग्रन्थ सूची :

- सिंह, नामवर, 2004 ई. - आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप, 2010 ई. - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
- तिवारी, रामचंद्र, 2013 ई. - हिंदी का गद्य साहित्य : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

- सिंह, बच्चन, 2015 ई. - हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, 2015 ई. -हिंदी साहित्य का इतिहास : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- द्विवेदी, हजारी प्रसाद, 2011 ई. -हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- नगेंद्र, 2013 ई. - हिंदी साहित्य का इतिहास : मयूर पब्लिकेशंस, नोएडा
- मिश्र, शिव कुमार, 2010 ई. - भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- डॉ. नगेंद्र, 2010 ई. - रीति काव्य की भूमिका : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप, 2012 ई. - हिंदी काव्य का इतिहास : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

QUEST KNOWLEDGE WISDOM
SIKKIM UNIVERSITY
ESTD 2007

HIN-V–504

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त

सेमेस्टर: प्रथम कोर्स लेवल : 500 कुल अंक 100

L+T+P: 3+1+ 0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान :45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

- **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के महत्त्व को समझ सकेंगे।**
- **काव्यशास्त्र की सैद्धांतिकी के प्रति विद्यार्थियों का विवेक विकसित हो सकेगा।**
- **कविता की अवधारणा , काव्य लक्षण , काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन की समझ विकसित हो सकेगी।**
- **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की उपादेयता से परिचित हो सकेंगे।**

इकाई 1 : भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय एवं प्रमुख पारिभाषिक पद

- **काव्य लक्षण, काव्य की परिभाषा, तत्व एवं स्वरूप**
- **काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन**
- **काव्य भेद, कवि समय**
- **रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति, रस सूत्र के व्याख्याकार, रसानुभूति की प्रक्रिया, साधारणीकरण**

इकाई 2 : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत

- **अलंकार सिद्धांत, अलंकार और अलान्कार्य, अलंकारों का वर्गीकरण,**
- **रीति की अवधारणा, रीति के भेद, रीति और गुण, रीति और दोष.**
- **ध्वनि सिद्धांत- शब्द शक्तियां, स्फोटवाद, ध्वनि का वर्गीकरण.**
- **वक्रोक्ति की अवधारणा वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति व् अभिव्यंजना , वक्रोक्ति का महत्त्व**
- **औचित्य की अवधारणा एवं महत्त्व**

इकाई 3 : पाश्चात्य काव्य शास्त्र का परिचय एवं सिद्धांत -1

- **पाश्चात्य साहित्य चिंतन का विकास**
- **प्लेटो: काव्य संबंधी मान्यताएं**
- **अरस्तु का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत**
- **लोंजाइनस की काव्य संबंधी धारणा, उदात्त का स्वरूप**

इकाई 4 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत

- **कालरिज की कल्पना और फंतासी**
- **रिचर्ड्स का सम्प्रेषण और मूल्य सिद्धांत**
- **वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत**
- **इलिएट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत**

शिक्षण अधिगम पद्धति

- व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी
- **मूल्यांकन पद्धति**

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन**
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा**

प्रस्तावित ग्रंथ सूची

- **मिश्र, भागीरथ. (2006). वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.**
- **मिश्र, शोभाकांत. (2013). भारतीय काव्य-चिंतन. नई दिल्ली: अनुपम प्रकाशन.**
- **नगेन्द्र. (2000). काव्यशास्त्र की भूमिका. नई दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.**
- **बाली, तारकनाथ. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत. नई दिल्ली: शब्दकार प्रकाशन.**
- **सिंह, योगेंद्र प्रताप. भारतीय काव्यशास्त्र. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.**
- **मिश्र, हरिश्चंद्र. (2013). भारतीय काव्यशास्त्र.पंचकूला: हरियाणा ग्रंथ अकादमी.**
- **दीक्षित, आनंद प्रकाश. (2000). रस सिद्धांत: स्वरूप और विश्लेषण . नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.**
- **मिश्र, रामदहिन. (2010). काव्य दर्पण. इलाहाबाद: साहित्य भवन.**
- **उपाध्याय, विश्वंभरनाथ. (1999). भारतीय काव्यशास्त्र. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.**
- **मिश्र, भागीरथ. (2006). वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.**

HIN-V–504

सिनेमा और संस्कृति

सेमेस्टर: प्रथम कोर्स लेवल : 500 कुल अंक 100

L+T+P: 3+1+ 0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान :45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 : **विद्यार्थी की सिनेमा की समझ विकसित होगी।**

CLO 2 : सिनेमा के माध्यम से समाज और संस्कृति के पहलुओं को समझ सकेंगे

CLO 3 : सिनेमा और सामाजिक यथार्थ के अंतर्संबंधों को समझ सकेंगे

CLO 4 : संगीत की समझ विकसित होगी

CLO 5 : फ़िल्मी गीतों के माध्यम से भावों की अभिव्यक्ति सीख लेंगे

इकाई 1 : हिंदी सिनेमा : एक परिचय

- **उद्भव और विकास- सिनेमा आन्दोलन**
- **सिनेमा के विकास में सरकारी संस्थाओं का योगदान,कला और व्यावसायिक फिल्मों में अंतर**
- **सिनेमा और साहित्य में परस्पर संबंध:तीसरी कसम, देवदास**
- **प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और प्रसिद्ध कलाकार**

इकाई 2 : सिनेमा का वैचारिक परिप्रेक्ष्य

- **पाथेर पांचाली (1955 , निर्देशक सत्यजीत राय)**
- **जीवनीपरक फ़िल्में - मेरी कॉम, भाग मिल्खा भाग,**
- **कमेडी (हास्य फ़िल्में)- चुपके चुपके, बधाई हो,ओह माईगॉड**
- **उद्देश्यपरक- थ्री ईडियटस, पिंक, दंगल**

इकाई 3 : सिनेमा वैविध्य

- **ऐतिहासिक फ़िल्में- पद्मावत, शहीदे आज़म भगत सिंह**
- **भारतीय भाषाओं की हिंदी डब्ब फिल्मे - सन ऑफ़ सत्यमूर्ति (अल्लू अर्जुन)**
- **अंग्रेजी से हिंदी में डब फ़िल्में- अवतार -1 और 2**
- **साहसिक फिल्मे - मिशन इम्पॉसिबल सिरीज़**

इकाई 4 : सिनेमाई अवार्ड और फिल्म फेस्टिवल्स

- **सिनेमा के पुरुस्कार (ऑस्कर), फिल्म फेस्टिवल,**

- **सेंसरशिप, सिनेमा का रिव्यु लेखन**
- **सिनेमा का संस्कृति पर प्रभाव**
- **हिंदी सिनेमा और यूं टयूब के गीत (देशभक्तिपरक) और यूटयूब से सतीश सरल के मूल्यपरक गीत**

शिक्षण अधिगम पद्धति

- व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी
- **मूल्यांकन पद्धति**

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन**
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा**

प्रस्तावित ग्रंथ सूची

- **अंशुला वाजपेयी(2022), याद किया दिल ने, राजकमल, ISBN- 9789390971756**
- **उद्यान वाजयेपी (2022). सिनेमा और संसार, राजकमल प्रकाशन, ISBN-9789389598797**
- **सत्यजीत राय(2022). विषय चलचित्र. राजकमल, ISBN-9788189914486**
- **अजित राय. (2022). बॉलीवुड की बुनियाद. वाणी प्रकाशन, ISBN- 9789355183200**
- **महेंद्र मिश्र,(2006). सत्यजीत राय: पथेर पांचाली और फिल्म जगत, राजकमल, ISBN-9788126712625**
- **जय प्रकाश चौकसे. (2021), सिनेमा जलसाघर, सेतु प्रकाशन,ISBN-9789391277772**
- **हृषिकेश सुलभ,(2022). संग-रंग, राजकमल, ISBN-9789395737302**

HIN-V–506

भारतीय ज्ञान परम्परा

सेमेस्टर: प्रथम कोर्स स्तर : 50 0 कुल अंक : 50

L+T+P: 1+1+0 = 2 क्रेडिट

व्याख्यान : 15 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 : वैदिक एवं पौराणिक साहित्य जिसमें महाभारत एवं रामायण की प्रासंगिकता का विश्लेषण कर सकेंगे।

CLO 2: भारतीय ज्ञान परम्परा के महत्वपूर्ण चिंतकों के योगदान से परिचित हो सकेंगे।

CLO 3 : भारतीय भाषा परिवार एवं सिक्किम की भाषाओं के विषय में जानेंगे।

CLO 4: वेदांग के सामान्य परिचय से परिचित होंगे एवं हिन्दी साहित्य की कथा एवं काव्य की विकास यात्रा को समझ सकेंगे।

इकाई 1.भारतीय ज्ञान परम्परा का परिचय

- **भारतीय ज्ञान परम्परा का संक्षिप्त परिचय**
- **वैदिक एवं पौराणिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय**
- **वाल्मीकि रामायण एवं महाभारत की प्रासंगिकता**
- **प्राचीन भारतीय परंपरा में चिंतकों का योगदान**

(कालिदास,पाणिनि,यास्क,भरतमुनि एवं भर्तृहरि)

इकाई 2: भारतीय भाषा एवं साहित्य

- **भारतीय भाषा-परिवार का संक्षिप्त परिचय**
- **सिक्किम की भाषाओं का संक्षिप्त परिचय**
- **वेदांगों का परिचय**
- **हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं का संक्षिप्त परिचय (कविता एवं कहानी)**

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 25)	**क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन**
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 25)	**विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा**

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- **श्यामाचरण दुबे, समय और संस्कृति, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली**
- **भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक, रजनीश कुमार शुक्ल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली**
- **भावार्थ वेदांग, सुनिता पागे, प्रजाक्त प्रकाशन, महाराष्ट्र**
- **भाषा और समाज, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
- **सिक्किम की भाषाएँ, चुकी भूटिया, ओरियंटल बुक्स स्वान, नई दिल्ली**
- **हिन्दी और भारतीय भाषा का तुलनात्मक अध्ययन, रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
- **भारत के भाषा परिवार, संपादक- डॉ. राजमल बोरा, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली**
- **भारतीय कला एवं संस्कृति, मनीष रंजन, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली**

HIN-C-551

हिंदी नाटक और रंगमंच

सेमेस्टर: द्वितीय कोर्स **लेवल : 500** **कुल अंक : 100**

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 : हिंदी नाटक एवं रंगमंच पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी इसकी विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे.

CLO 2: हिंदी नाटक में जिन कथ्य एवं विषयवस्तु के केंद्र में लेखन किया जाता है उससे तत्कालीन समाज की विशेषताओं को जानने का अवसर प्राप्त होगा.

CLO 3: हिंदी नाटकों के कला एवं भाषिक पक्ष का अध्ययन कर सकते हैं.

CLO 5: रोजगार के अवसर मिलेंगे।

इकाई- 1 अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र

- **भारतेंदु युग और नाटक**
- **अंधेर नगरी का पाठ विश्लेषण**
- **अंधेर नगरी समसामयिक परिप्रेक्ष्य**
- **अंधेर नगरी की भाषा**

इकाई 2: स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद

- **स्कंदगुप्त का पाठ विश्लेषण**
- **प्रसाद के नाटकों की ऐतिहासिकता**
- **स्कंदगुप्त का आधुनिक संदर्भ एवं रंगमंचीयता**
- **स्कंदगुप्त की भाषा**

इकाई- 3 आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश

- **मोहन राकेश और उनके नाटक**
- **आषाढ़ का एक दिन की कथावस्तु का विवेचन**

- आषाढ़ का एक दिन के पात्रों का मनोविश्लेषण
- आषाढ़ का एक दिन का पाठ विश्लेषण

इकाई- 4 माधवी : भीष्म साहनी

- माधवी की पौराणिकता
- माधवी की कथावस्तु का विश्लेषण
- भारतीय समाज में स्त्री की स्थिति और माधवी
- माधवी का स्त्रीवादी पाठ.

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- प्रसाद,जयशंकर,स्कंद्गुप्त,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.2011.
- भीष्म सहनी : माधवी
- राकेश,मोहन. आषाढ़ का एक दिन, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली.
- शेष,शंकर.एक और द्रोणाचार्य.अभिनव प्रकाशन,मुम्बई .1978.
- हरिश्चंद्र,भारतेंदु.अंधेर नगरी. विषविद्यालय प्रकाशन.वाराणसी.उत्तर प्रदेश.2009
- ओझा,डॉ.दशरथ.हिंदी नाटक: उद्भव एवं विकास,राजपाल प्रकाशन,दिल्ली.2017
- ओझा,डॉ.मान्धाता,सरदाना,डॉ शशि नाटक : नाट्य चिंतन और रंग प्रयोग,कला मंदिर दिल्ली.2003
- कुमार,सिद्धनाथ,नाट्यलोचन के सिद्धांत,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.2004
- चातक,गोविन्द,आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश ,जगतपुरी,राधाकृष्ण प्रकाशन.नई दिल्ली.200

HIN-C-552

आधुनिक साहित्य चिंतन और आलोचना

सेमेस्टर: द्वितीय कोर्स **लेवल : 500** **कुल अंक : 100**

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 :आधुनिक साहित्यिक दृष्टियों से परिचित हो सकेंगे।

CLO 2:साहित्य चिंतन के महत्व को समझ सकेगे।

CLO 3:विभिन्न वादों की अवधारणा एवं उनके स्वरूप को जान सकेंगे।

CLO 5:साहित्य और समीक्षा दृष्टि के मध्य अन्तःसंबंधों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई- 1 आधुनिकतावाद और अवधारणा-1

- मार्क्सवाद
- मनोविश्लेषणवाद
- अस्तित्ववाद
- गांधीवाद

इकाई 2: आधुनिकतावादऔर अवधारणा -2

- यथार्थवाद
- विखंडनवाद
- आदर्शवाद
- नई समीक्षा

इकाई- 3 हिंदी आलोचक-1

- रामचंद्र शुक्ल
- नंददुलारे वाजपेयी
- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- नगेन्द्र

इकाई- 4 हिंदी आलोचक-2

- रामविलास शर्मा
- नामवर सिंह
- मेनेजर पांडेय
- डॉ धर्मवीर

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन**
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा**

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- मिश्र, भागीरथी,(2010). पाश्चात्य काव्यशास्त्र. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
- गुप्त, शांतिस्वरूप.(2005).पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
- शर्मा, देवेंद्रनाथ.(2008).पाश्चात्य काव्यशास्त्र. पटना: अनुपम प्रकाशन.
- बाली,तारकनाथ.(2013). पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास. नई दिल्ली: शब्दकार प्रकाशन.
- जैन, निर्मला.(2005). पाश्चात्य साहित्य चिंतन. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- त्रिपाठी, विश्वनाथ.(2015). हिंदी आलोचना. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
- नवल, नन्द किशोर. (2010). हिंदी आलोचना का विकास. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
- पचौरी, सुधीश.(2014).उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
- त्रिपाठी, विश्वनाथ. (2010). हिन्दी आलोचना. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
- नवल, नदकिशोर. (1990) हिन्दी आलोचना का विकास. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
- पाण्डेय, मैनेजर. (2000) आलोचना की सामाजिकता. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
- पाण्डेय, मैनेजर. (1990) साहित्य और इतिहास दृष्टि. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

- सिंह, नामवर. (2000) दूसरी परम्परा की खोज. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
- सिंह, नामवर. (2000). इतिहास और आलोचना. नई दिल्ली:राजकमल प्रकाशन.

HIN-C-553

आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य

सेमेस्टर: द्वितीय कोर्स **लेवल : 500** **कुल अंक : 100**

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1: आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

CLO 2: संबंधित काल के महत्वपूर्ण रचनाकारों एवं उनकी कृतियों से परिचित होंगे।

CLO 3: संबंधित कालों के परिवेश एवं प्रवत्तियों की समझ विकसित होगी।

CLO 4: आदिकाल और मध्यकाल की रचनाओं की विविध भाषाओं से परिचित हो पाएंगे तथा उसमें निहित प्रतिपाद्य को जान पाएंगे।

इकाई- 1 आदिकालीन काव्य

- चंदबरदाई : आदिकालीनकाव्य,संपा.वासुदेवसिंह,विश्वविद्यालयप्रकाशन पदसंख्या(1,16,34,62)
- अमीर खुसरो : काव्य मंजूषा, सम्पादक, सुधा जितेन्द्र पहेलियाँ - (पद संख्या - 1 से 10)
- काव्यनिधि, संपादक-हरमोहिंदर सिंह बेदी विद्यापति - पदावली (पद संख्या 1, 5, 10, 23)

इकाई 2: निर्गुण काव्य

- कबीर ग्रन्थावली : संपादक - डॉ श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारणी सभा, काशी

साखी - गुरुदेव को अंग 11, 20, सुमिरन को अंग 28 ; विरह को अंग 30,ज्ञान विरह को अंग 04, रस को अंग 01

- मन कौ अंग 26; माया कौ अंग 08 , कुसंगति कौ अंग 07
- जायसी - पद्मावत - नागमती वियोग खंड- अंतिम 5 पद

इकाई- 3 सगुण काव्य

- भ्रमरगीत सार : संपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी
  पद-संख्या - 1, 2, 9, 22, 24, 28, 34, 39, 41, 52 (दस पद)
- विनय पत्रिका : गीता प्रेस, गोरखपुर
  पद संख्या - 90, 101, 102, 105, 111, 112, 114 और 162

इकाई- 4 रीतिकालीन काव्य

- बिहारी रत्नाकर:सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
  पद संख्या - 1, 32, 46, 52, 69, 85, 103 और 116
- मध्ययुगीन काव्य: ब्रजनारायण सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
  केशवदास -वन मार्ग में राम
- भूषण : (पद संख्या 5,6,10,11,14)
- घनानंद -कवित: सं.विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (1, 4, 13, 15, 44, 75, 82, 84, 88, 100)

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- द्विवेदी, हजारी प्रसाद - सन 2013, कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- सिंह, उदय भानु - सन 1977, तुलसी मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- सिंह, ब्रजनारायण- सन 2004, मध्ययुगीन काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- शुक्ल, आचार्य रामचंद्र - सन 1932, त्रिवेणी, नागरी प्रचारिणी, वाराणसी
- पाण्डेय, मैनेजर - सन 1982, भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- मानव, विशम्भर - सन 1976, प्राचीन कवि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- ब्रज रतनदास (सं) खुसरो की हिंदी कविता, वाराणसीः नागरी प्रचारिणी सभा
- रामवृक्ष बेनीपुरी (सं) , विद्यापति
- माता प्रसाद गुप्त(सं), पृथ्वी राज रासो
- श्याम सुंदर दास, कबीर ग्रंथावली
- तुलसीदास. विनय पत्रिका
- रत्नाकर, जगन्नाथदास, बिहारी रत्नाकर
- सुक्ल, राम चन्द्र(सं) . भ्रमरगीत सार
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप - सन 2012, हिंदी काव्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- गुरु, कामता प्रसाद- सन 2010, हिंदी व्याकरण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
- सं. डॉ. नगेन्द्र - सन 1973, हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग, नई दिल्ली
- मानव, विश्वम्भर - सन 1978, रस, छंद, अलंकार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

KNOWLEDGE WISDOM
SIKKIM UNIVERSITY ESTD 2007

HIN-C-554

साइबर सेक्यूरिटी

सेमेस्टर: द्वितीय **कोर्स लेवल : 500** **कुल अंक : 50**

L+T+P: 3+1+0 = 2क्रेडिट

व्याख्यान : 15घंटे +ट्यूटोरियल: 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

पाठ्यक्रम शिक्षण परिणाम:

पाठ्यक्रम के उपरांत विद्यार्थी सीख सकेंगे-

CLO 1: साइबर सुरक्षा और साइबर अपराधों की अवधारणा और उसकी बुनियादी शब्दावलियों को समझ सकेंगे।

CLO 2: साइबर अपराधों के लिए भारत में मौजूद कानूनी ढांचे और ऐसे अपराधों के लिए दंड संहिता से परिचित होंगे।

CLO 3: गोपनीयता, सुरक्षा और साइबर सुरक्षा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं को विश्लेषित कर सकेंगे।

CLO 4: डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के खिलाफ आरबीआई के दिशा निर्देशों और निवारक उपायों को जान सकेंगे।

UNIT I: BASICS OF CYBER SECURITY

- Cyber Security: Concept and importance; Basic Cyber security terminologies; Cyber Crimes: Concept and Types.
- Cybercrimes targeting Computer systems and Mobiles: Data diddling attacks, spyware, logic bombs, DoS, DDoS, APTs, virus, Trojans, ransomware, data breach.
- Online scams and frauds: Email scams, Phishing, Vishing, Smishing, Online job fraud, Online sextortion, Debit/credit card fraud, Online payment fraud, Cyberbullying, website defacement, Cybersquatting, Pharming, Cyber espionage, Crypto jacking, Darknet- illegal trades, drug trafficking, human trafficking.
- Social Media Scams & Frauds: Impersonation, identity theft, job scams, misinformation, fake news; Crime against persons: cyber grooming, child pornography, cyber stalking.

UNIT-II: CYBER SECURITY LAWS AND MANAGEMENT

- Cyber Security Regulations in India: The Information Technology (IT) Act, 2000, and the Data Protection Bill, 2019; Cyber Laws and Legal and ethical aspects related to new technologies.
- Data Privacy and Data Security: Concept of data and data privacy; Data protection, Data privacy and data security.
- Cyber security Management: cyber security policy, cyber crises Management plan, National cyber security policy and strategy.
- RBI guidelines on digital payments and customer protection in unauthorized banking transactions. Relevant provisions of Payment Settlement Act, 2007.

शिक्षण अधिगम पद्धति

व्याख्यान, समूह चर्चा, पुस्तकालय अध्ययन, आलोचनात्मक विश्लेषण, ।Tविशेषज्ञ का सहयोग और परिचर्चा, व्यक्तिगत और समूह प्रस्तुति, केस स्टडीज, साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता।

मूल्यांकन विधियाँ

फ़ोर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, कक्षा मूल्यांकन, होम असाइनमेंट, संगोष्ठी और प्रस्तुति**
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक: 50)	**विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा ।**

संदर्भित ग्रंथ सूची:

- Belapure, S., & Godbole, N. (2011). *Cyber Security Understanding Cyber Crimes, Computer Forensics and Legal Perspectives*. Wiley India Pvt. Ltd.
- Broth, W. K. (2008). *Information Security Governance, Guidance for Information Security Managers* (1st ed.). Wiley Publication.
- Denning, D. F. (1998). *Information Warfare and Security*. Addison Wesley.
- Oliver, H. A. (2014). *Security in the Digital Age: Social Media Security Threats and Vulnerabilities*. Create Space Independent Publishing Platform.
- Venkataramanan, N., & Shriram, A. (2017). *Data Privacy Principles and Practice*. CRC Press.
- Weiss, M., & Solomon, M. G. (2015). *Auditing IT Infrastructures for Compliance* (2nd ed.). Jones Bartlett Learning.

HIN-C-555

सृजनात्मक लेखन

सेमेस्टर: द्वितीय कोर्स लेवल : 500 कुल अंक : 50

L+T+P: 3+1+0 = 2क्रेडिट

व्याख्यान : 15घंटे +ट्यूटोरियल: 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 :इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न प्रकार से अभिव्यक्ति करने में सक्षम हो जाएँगे।

CLO 2:विद्यार्थियों की भाषिक सम्पन्नता में सुधर होगा।

CLO 3: रचनात्मकता बढ़ेगी।

इकाई- 1 काव्य सृजन

- कविता में शब्दों का चयन
- कविता में बिम्ब और छंद
- कविता के घटक
- कविता की संरचना

इकाई 2: कथा-पटकथा एवं अन्य लेखन

- कहानी के तत्व
- पटकथा के स्त्रोत
- नाटक और फिल्म की पटकथा में अंतर
- पटकथा लेखन का प्रारूप

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट,

असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 25)	क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 25)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- महेश आनंद (सं). कहानी का रंगमंच
- मनोहर श्याम जोशी, पटकथा लेखन: डॉ बिंदु एक परिचय, राजकमल प्रकाशन
- सान स्लावेत्सकी, रचना की प्रक्रिया, वाणी प्रकाशन.
- रमेश गौतम, रचनात्मक लेखन
- राजेंद्र मिश्र, सृजनात्मक लेखन, तक्षशिला प्रकशन
- रमेश गौतम. (2014), सं. रचनात्मक लेखन, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
- NCERT (2008). सृजन-1

HIN-S-556

अकादमिक लेखन

सेमेस्टर: द्वितीय कोर्स लेवल : 500 कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 :इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अकादमिक लेखन का कार्य स्पष्टता और गहन चिंतन के साथ करने में सक्षम होंगे।

CLO 2:इस पाठ्यक्रम की सामग्री हर क्षेत्र में अलग-अलग प्रोजेक्ट लिखने में उपयोगी होगी।

इकाई- 1 अकादमिक लेखन का अर्थ और स्वरूप

- मानसिक योजना (MindMapping) मानचित्र तैयार करना)
- मुक्त लेखन (FreeWriting)
- सोचने और लेखन में एकरूपता
- अपने अंतर्ज्ञान का उपयोग

इकाई 2: शोध की प्रक्रिया -1

- साहित्यिक पुनरावलोकन
- सन्दर्भ ग्रंथ सूची
- विषय का महत्त्व
- विश्लेषण आवश्यकतानुसार ग्राफ और सारणियों का प्रयोग
- मानसिक बाधा और बहानेबाजी

इकाई- 3 शोध की शैली, प्रारूप और संरचना

- शीर्षक, नाम और संपर्क, शोध सरान्शिका (abstrect), बीज शब्द, मौलिक शोध का घोषणा पत्र, आभार प्रदर्शन, फिगर्स, टेबल्स ऑफ़ टेबल, एक्रोनिम्स
- अध्याय- एक: भूमिका

- अध्याय- दो: साहित्यिक पुनरावलोकन
- अध्याय- तीन: शोध प्रविधि या अनुसंधान प्रविधि
- अध्याय- चार: परिणामों की प्रस्तुति
- अध्याय- पाँच: परिणामों की चर्चा
- अध्याय- छः: निष्कर्ष और सिफारिशें
- संदर्भ सूची

इकाई- 4 शोध प्रबंध लेखन

- शोध परियोजना लेखन की पहली गोल्डन कड़ी, दूसरी गोल्डन कड़ी
- शोध सरांशिका (abstract) लेखन, सरांशिका के प्रकार- 1. प्रसंग+समस्या बिंदु, 2. प्रसंग+समस्या+मुख्य बिंदु
- प्रसंग+समस्या+प्रस्थान बिंदु
- लेखन की जटिलता

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन**
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा**

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- **नगेन्द्र, अनुसन्धान और आलोचना, नेशनल पब्लिकेशन, दिल्ली**
- Video: Writing and Thinking
  Booth, W.C., Colomb, J.M., & Williams, J.M. 2016. *The Craft of Research (4th ed)*. London & Chicago: The University of Chicago Press.
- Sicinski, A. (2019). The complete guide on how to mind map for beginners. Retrieved from https://blog.iqmatrix.com/how-to-mind-map

- Badenhorst, C. (2018). Emotions, play and graduate student writing. *Canadian Journal for Studies in Discourse and Writing/Rédactologie*, 28(0), 103-126 p111

- Satterlund, T. (2019). *Note to Self: writing analytic memos*. https://ivorytowerscribbles.blog/2019/06/18/ivory-tower-writing-17-analytic-memo-taking/

- Cunningham, N., & Carmichael, T. (2018). Finding my intuitive researcher's voice through reflexivity: an autethnographic study. *The Electronic Journal of Business Research Methods*, 16(1), 25-35

- Hayton, J. *Quick Tips for Ph.D. students* [Blog post}. Retrieved from https://jameshaytonphd.com/blog

HIN-E-557

प्रेमचंद : विशेष अध्ययन

सेमेस्टर: द्वितीय कोर्स **लेवल : 500** **कुल अंक : 100**

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO-1 **प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारत के एक बड़े रचनाकार प्रेमचंद के जीवन, व्यक्तित्व, उनके समय व समाज को प्रमाणिक रूप से समझेंगे .**

CLO-2 **प्रेमचंद के कथा सरोकारों और मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे.**

CLO-3 **सर्जनात्मक लेखन और अध्यापन क्षेत्र में रोज़गार के अवसर मिलेंगे।**

इकाई- 1 प्रेमचंद- एक बहु आयामी साहित्यकार

- **प्रेमचंद का जीवन**
- **कहानीकार के रूप में**
- **उपन्यासकार के रूप में**

- निबंधकार के रूप में
- पत्रकार के रूप में
- प्रेमचंद का अन्य साहित्य

इकाई 2: प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएं एवं उनके साहित्य में उठाए गए प्रश्न

- प्रेमचंद के साहित्य में आदर्श और यथार्थ
- प्रेमचंद के साहित्य में गांधीवाद और राष्ट्रवाद
- प्रेमचंद साहित्ग और साम्राज्यवाद
- प्रेमचंद साहित्य और साम्प्रदायिक सद्भाव
- प्रेमचंद साहित्य और किसान मजदूर प्रश्न
- प्रेमचंद साहित्य और दलित प्रश्न

इकाई- 3 व्याख्या एवं आलोचना के लिए चयनित पाठ - 1

- कहानियां - पूस की रात, ठाकुर का कुआं, शतरंज के खिलाडी , सवा सेर गेहूं, ईदगाह, सद्गति, दो बैलों की कथा, पंच परमेश्वर, नशा, गुल्ली डंडा, बड़े भाई साहब
- निबंध- साहित्य का उद्देश्य, मानसिक पराधीनता, स्वराज्य के फायदे, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, महाजनी सभ्यता, उर्दू, हिंदी और हिन्दुस्तानी

इकाई- 4 व्याख्या एवं आलोचना के लिए चयनित पाठ -2

- उपन्यास- रंगभूमि, निर्मला

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- प्रेमचंद रचित मानसरोवर, कर्मभूमि, गबन, निर्मला, रंगभूमि, प्रेमाश्रम, प्रेमचंद- कुछ विचार.
- शिवरानी देवी- प्रेमचंद घर में
- रामविलास शर्मा, प्रेमचंद और उनका युग
- इंद्रनाथ मदान, प्रेमचंद : एक विवेचन
- रामबक्ष, प्रेमचंद और भारतीय किसान

HIN-E-558

आचार्य रामचंद्र शुक्ल - विशेष अध्ययन

सेमेस्टर: द्वितीय कोर्स लेवल : 500 कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO-1: प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारत के एक बड़े आलोचक रामचंद्र शुक्ल के जीवन, व्यक्तित्व, उनके समय व समाज को प्रमाणिक रूप से समझेंगे .

CLO-2: साहित्य को जानने और समझने की आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा

CLO-3: अध्यापक,आलोचक और साहित्यिक प्रशंसक के रूप में रोज़गार के अवसर मिलेंगे

इकाई- 1 आचार्य शुक्ल की इतिहास दृष्टि

- इतिहास लेखन की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य का इतिहास : प्राचीन काव्य का मूल्यांकन,
- हिंदी साहित्य का इथिहस : मध्यकालीन काव्य का मूल्यांकन

इकाई 2: हिंदी आलोचना और आचार्य रामचंद्र शुक्ल

- हिंदी आलोचना की परंपरा में आचार्य शुक्ल का स्थान
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल- व्यक्तित्व और कृतित्व
- आलोचनात्मक आलेख- रसात्मक बोध के विविध रूप
- कविता क्या है, साधारणीकरण काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था

इकाई- 3 निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल

- आचार्य शुक्ल के निबंधों की विशेषताएं
- मनोविकार विषयक निबंध (चिंतामणि, भाग-1)

इकाई- 4 आचार्य रामचंद्र शुक्ल के लेखन के अन्य रूप

- संपादक
- अनुवादक
- कवि और कहानीकार

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- चिंतामणि -1
- चिंतामणि- 2
- चिंतामणि - 3
- चिंतामणि - 4
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल ग्रंथावली
- रामविलास शर्मा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, राजकमल, दिल्ली
- नामवर सिंह, इतिहास और आलोचना , राजकमल, दिल्ली
- नामवर सिंह, दूसरी परंपरा की खोज , राजकमल, दिल्ली
- नामवर सिंह, आचार्य रामचंद्र शुक्ल संचयन, साहित्य अकादमी दिल्ली
- hindisamay.com

- kavitakosh.org
- epustakaly .com
- www.pustak.org

HIN-E-559

कबीर विशेष अध्ययन

सेमेस्टर: द्वितीय कोर्स लेवल : 500 कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO-1: कबीर के लोक से परिचित हो सकेंगे।

CLO-2: कबीर के दार्शनिक पक्ष को समझ सकेंगे।

CLO-3: कबीर के काव्यगत वैशिष्ट्य से अवगत हो सकेंगे।

CLO-4: कबीर के महत्व को समझ सकेंगे।

इकाई- 1 संत काव्य परंपरा और कबीर

- कबीर की जीवनी और व्यक्तित्व
- कबीर का समय और समाज
- संत काव्य-परंपरा में कबीर
- कबीर का रहस्यवाद

इकाई 2: कबीर का जीवन दर्शन

- कबीर की दार्शनिकता
- ब्रहम, जीव, माया, जगत् एवं मोक्ष
- कबीर का लोक
- कबीर के राम

इकाई- 3 कबीर के विविध संदर्भ

- कबीर की उलटबांसियाँ
- प्रतीक योजना
- कबीर काव्य की प्रासंगिकता
- कबीर विषयक डॉ धर्मवीर भारती का चिंतन

इकाई- 4 कबीर की कविता

- साखी, सबद और रमैनी: संक्षिप्त परिचय
- गुरूदेव कौ अंग 12, 14, 15, 16, 21, 26 33, 34, 36
- पद : 1, 8, 40, 55, 180, 290
- विद्या कौ अंग: 2, 3, 4, 6, 8

(पाठ्य-संदर्भ : कबीर ग्रंथावली, संपादक श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- द्विवेदी, हजारी प्रसाद.(2010).कबीर. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
- चतुर्वेदी, परशुराम.(1995).कबीर साहित्य की परख. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
- मिश्र, शिव कुमार.(2010). भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य: इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
- शुक्ल, रामचंद्र.(1980). जायसी ग्रंथावली. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
- शर्मा, हरवंशलाल. (2000). सूर और उनका साहित्य. अलीगढ़: भारत प्रकाशन मंदिर.
- वर्मा, ब्रजेश्वर.(2010).सूरदास. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
- साही, विजय देव नारायण.(1996)जायसी. इलाहाबाद: हिन्दुस्तानी अकादमी.

- पाण्डेय, मैनेजर.(2010). भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
- त्रिपाठी, विश्वनाथ.(2013).लोकवादी तुलसीदास. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- तिवारी, रामचंद्र.(2000).रीतिकाव्य धारा. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
- सिंह, बच्चन.(2011).बिहारी का नया मूल्यांकन. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
- गौड़, मनोहर लाल.(1997). घनानन्द और स्वछंद काव्य धारा. काशी: नागरी प्रचारिणी.
- मिश्र, आचार्य विश्वनाथ.(2010). हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1-2. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप.(2010).हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास. इलाहाबाद: राजकमल प्रकाशन.
- सिंह, बच्चन.(2015).हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- शुक्ल, रामचन्द्र.(2015).हिन्दी साहित्य का इतिहास. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
- द्विवेदी, हजारी प्रसाद.(2011).हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
- नगेंद्र. (2010).रीति काव्य की भूमिका. नई दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप.(2012).हिंदी काव्य का इतिहास. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
- प्रेमशंकर. (2003).भक्तिकाव्य की भूमिका. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र.(2009).त्रिवेणी. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
- भारती, डॉ धर्मवीर. (2009), कबीर के आलोचक, दिल्ली:वाणी प्रकाशन

QUEST KNOWLEDGE WISDOM
SIKKIM UNIVERSITY
ESTD 2007

HIN-E-560

तुलसी - विशेष अध्ययन

सेमेस्टर: द्वितीय कोर्स | लेवल : 500 | कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे +ट्यूटोरियल : 15 घंटे + प्रैक्टिकल : 0घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO-1: तुलसीदास के जीवन और काव्य से परिचित होंगे।

CLO-2: तुलसीदास की काव्य दृष्टि और भक्ति भावना को जान पाएंगे।

CLO-3: तुलसीदास के दार्शनिक पक्ष को समझ सकेंगे।

CLO-4: तुलसीदास की काव्यगत विशेषताओं से परिचित होंगे।

CLO-5: वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास की रचनाओं की प्रासंगिकता से परिचित होंगे।

इकाई- 1 तुलसीदास का परिचय

- तुलसीदास : जीवन परिचय और कृतित्व
- राम भक्ति काव्य-परंपरा में तुलसी

इकाई 2: तुलसीदास का दर्शन एवं भक्ति भावना

- तुलसीदास का दर्शन
- तुलसीदास की भक्ति भावना
- तुलसीदास और लोक

इकाई- 3 तुलसीदास के काव्य -I

- रामचरित मानस
- उत्तर कांड
- विनय पत्रिका
  पद- 1 से 20 तक

इकाई- 4तुलसीदास के काव्य - II

- गीतावली
- पद- 1 से 20 तक
- कवितावली

- बालकाण्ड

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान, पुस्तकालय अध्ययन, तार्किक विश्लेषण, सेमिनार, समूह प्रेजेंटेशन, क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, समूह चर्चा, मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट, स्व-परीक्षण, क्लास असाइनमेंट, होम असाइनमेंट, सेमिनार, प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

QUEST
KNOWLEDGE
WISDOM

- त्रिपाठी, विश्वनाथ.(2013).लोकवादी तुलसीदास. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- प्रेमशंकर. (2003). भक्तिकाव्य की भूमिका. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र.(2009).त्रिवेणी. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
- मिश्र, आचार्य विश्वनाथ.(2010). हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1-2. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप.(2010).हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास. इलाहाबाद: राजकमल प्रकाशन.
- सिंह, बच्चन.(2015).हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र.(2009).गोस्वामी तुलसीदास- नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- बुल्के, कामिल. रामकथा का विकास- हिन्दी परिषद् प्रयाग
- मेघ, रमेश कुन्तल. तुलसी आधुनिक वातायन से- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- त्रिपाठी, विश्वनाथ, लोकवादी तुलसीदास- राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- तिवारी, सं- अजय. तुलसी एक पुनर्मूल्यांकन- आधार प्रकाशन, पंचकुला
- शर्मा, रामविलास, परम्परा का मूल्याङ्कन- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

HIN-C-601

हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान

सेमेस्टर : तृतीय

कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे कोर्स लेवल : 600

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 : हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विकास को जान पाएंगे ।

CLO 2 : हिंदी की जनपदीय भाषाओं एवं हिंदी की विविध बोलियों से परिचित हो सकेंगे।

CLO 3 : देवनागरी लिपि के उद्भव-विकास, वैज्ञानिकता एवं मानकीकरण से अवगत होंगे ।

CLO 4 : भाषा विज्ञान की अवधारणा एवं मानकीकरण से अवगत होंगे।

CLO 5 : रोज़गार के अवसर मिलेंगे।

इकाई : 1.भारतीय आर्य भाषाएँ एवं ब्रज, अवधी और खड़ी बोली का उद्भव-विकास

- **प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ(अपभ्रंश,अवहट्ट साहित्यऔर पुरानी हिंदी का संगम)**
- **मध्यकाल के दौरान ब्रज का काव्य भाषा के रूप में विकास**
- **मध्यकाल में अवधी का काव्य भाषा के रूप मेंविकास**
- **साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का उद्भव-विकास**

इकाई 2 हिंदी की बोलियाँ और देवनागरी लिपि

- **हिंदी की बोलियाँ : वर्गीकरण तथा क्षेत्र**
- **देवनागरी लिपि: परिचय, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि कामानकीकरण हिंदी की बोलियाँ : वर्गीकरण तथा क्षेत्र**

इकाई 3 : भाषा विज्ञान का स्वरूप

- **भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण**
- **भाषा और बोली**
- **भाषा-विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धतियाँ**

- भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से संबंध

इकाई 4. भाषा विज्ञान की इकाइयाँ

- ध्वनि-विज्ञान - ध्वनि अध्ययन के आयाम : उच्चारणात्मक, प्रसारणिक, श्रवणात्मक, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ
- स्वनिम विज्ञान, रूप-विज्ञान : अवधारणा
- अर्थ-विज्ञान : अवधारणा, शब्द और अर्थ में संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
- वाक्य-विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (कुल अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- गुरु, कामता प्रसाद, 2013 ई. - हिंदी व्याकरण : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- चौधरी, अनंतलाल, 2005 ई. -नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी : बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना
- तिवारी, उदय नारायण, 2016 ई. -हिंदी भाषा का उद्गम और विकास: राजकमल प्रकाशन , इलाहाबाद
- तिवारी, भोलानाथ, 2013 ई. - भाषा-विज्ञान : किताब महल, दिल्ली
- तिवारी, भोलानाथ, 1980 ई. - हिंदी भाषा : किताब महल, इलाहाबाद
- त्रिवेदी, कपिलदेव, 2014 ई. - भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र : विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
- बाहरी, हरदेव, 2002ई. - हिंदी उद्भव विकास और रूप : किताब महल, इलाहाबाद
- शर्मा, देवेन्द्रनाथ, 2010 ई. - भाषा-विज्ञान की भूमिका : अनुपम प्रकाशन, पटना
- शर्मा, रामकिशोर, 2011ई. - आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत : लोकभारती, इलाहाबाद

श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ , 2008 ई. -हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम: राजकमल प्रकाशन

HIN-C-602

हिंदी की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रकारिता

सेमेस्टर : तृतीय

कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0घंटे **कोर्स लेवल : 600**

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1: हिंदी की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रकारिता की अवधारणा विषयक समझ विकसित होगी.
CLO 2 : हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता के महत्त्व से अवगत होंगे
CLO 3 : हिंदीकी महत्वपूर्ण साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रिकाओं को जान जाएँगे.
CLO 4 : रोजगार के अवसर मिलेंगे

इकाई 1: हिंदी की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रकारिता

- **साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रकारिता: अवधारणा एवं स्वरूप,**
- **हिंदी की साहित्यिक पत्रिकाओं का योगदान,**
- **हिंदी की साहित्यिक पत्रिकाओं का सांस्कृतिक प्रदेय,**
- **साहित्यिक पत्रकारिता: भारतेंदु युगीन, द्विवेदी युगीन, प्रेमचन्दयुगीन,स्वातंत्र्योत्तर.**

इकाई 2 हिंदी की महत्वपूर्ण साहित्यिक पत्रिकाएं

- **समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता,**
- **हिंदी की महत्वपूर्ण साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्र-पत्रिकाएं,**
- **बनारस अख़बार और भारतमित्र की साहित्यिक पत्रकारिता, हिन्दोस्थान एवं प्रदीप की साहित्यिक पत्रकारिता,**
- **प्रताप एवं कर्मवीर की साहित्यिक पत्रकारिता.**

इकाई 3 :साहित्यिक पत्रकारिता के आधार स्तंभ -1

- **आज एवं स्वदेश की साहित्यिक पत्रकारिता.**
- **विशाल भारत एवं जनसत्ता की साहित्यिक पत्रकारिता,**
- **सरस्वती एवं नागरीप्रचारिणी पत्रिका की साहित्यिक पत्रकारिता, दिनमान एवं साप्ताहिक हिंदुस्तान की साहित्यिक पत्रकारिता,**

- धर्मयुग की साहित्यिक पत्रकारिता,हंस,पहल एवं तद्भव की साहित्यिक पत्रकारिता, चाँद एवं सारिका की साहित्यिक पत्रकारिता,

इकाई 4साहित्यिक पत्रकारिता के आधार स्तम्भ-2

- साहित्यिक शोध पत्रिकाएं (हिन्दुस्तानी, सम्मलेन पत्रिका, माध्यम,
- मधुमती,परिषद् पत्रिका, हिंदी अनुशीलन, बहुवचन,वागार्थ, पूर्वग्रह
- समकालीन साहित्य, हिंदी विश्वभारती, प्रज्ञा, अक्षरा, वीणा, पूर्वोत्तर प्रभा(ऑनलाइन)
- ब्लॉग में साहित्यिक पत्रकारिता.

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (कुल अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- मिस्र, अच्युतानंद.(सं)(2010), हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं, दिल्ली:सामयिक.
- दुबे, निर्भय. (2015), दूरसंचार क्रांति एवं सूचना तकनीकि. झाँसी: लैंडमार्क पुब्लिकेशन.
- तिवारी, अर्जुन. आधुनिक पत्रकारिता
- तिवारी, अर्जुन. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास
- वैदिक, वेदप्रताप. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम
- मिस्र, कृष्णबिहार. पत्रकारिता:इतिहास और प्रश्न
- मिश्र, कृष्ण बिहारी हिंदी पत्रकारिता
- चतुर्वेदी. जगदीशप्रसाद, हिंदी पत्रकारिता का इतिहास
- राजकिशोर. समकालीन पत्रकारिता
- पंत, एन सी. पत्रकारिता का विकास
- जोशी, रामशरण. इक्कीसवीं सदी के संकट
- दुबे, एस के. पत्रकारिता के नए आयाम

HIN-C-603

कथेतर हिंदी साहित्य

तृतीय सेमेस्टर

कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे कोर्स लेवल :600

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1: हिंदी गद्य के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे.

CLO 2: गद्य के विभिन्न स्वरूपों एवं उसकी विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे.

CLO 3: रचनाओं के माध्यम से गद्य की विभिन्न विधाओं के लेखन के अंतर को समझ सकेंगे.

CLO 4: उनके भीतर चित्रित विषयवस्तु एवं उनके शिल्प को समझ सकेंगे.

इकाई I. निबंध

- कछुआ धर्म : चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
- काव्य में लोक मंगल की साधना : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- साहित्य की संप्रेषणीयता : आचार्य हजारी प्रसाद दिवेदी
- साहित्य और नंबर दो का कारोबार : हरिशंकर परसाई
- नींव की ईंट : रामवृक्ष बेनीपुरी
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : विद्यानिवास मिश्र

इकाई 2. आत्मकथा (किसी एक का अध्ययन)

- कस्तूरी कुंडल बसै : मैत्रेयी पुष्पा
- शिकंजे का दर्द : सुशीला टाकभोरे

इकाई 3. संस्मरण एवं रेखाचित्र (चयनित दो संस्मरण एवं दो रेखाचित्र)

- स्मृति की रेखाएं : महादेवी वर्मा
- जिन्होंने जीना जाना : जगदीशचन्द्र माथुर

इकाई 4. यात्रा वृत्तान्त एवं पत्र साहित्य

- यात्रा वृतांत- चीड़ों पर चांदनी : निर्मल वर्मा
- पत्र साहित्य - मुक्तिबोध के पत्र नेमिचंद जैन के नाम

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (कुल अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- शर्मा,रामविलास: भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं
- चतुर्वेदी,रामस्वरूप.गद्य विन्यास और विकास.लोक भारती प्रकाशन.इलाहबाद,1996
- तिवारी,रामचंद्र.हिंदी का गद्य साहित्य.चौखम्भा प्रकाशन,वाराणस,1987.
- प्रकाश,अरुण,गद्य की पहचान.अंतिका प्रकाशन.दिल्ली.2012.
- वर्मा,धीरेन्द्र.हिंदी साहित्य कोश.ज्ञानमंडल लिमिटेड.वाराणसी.उत्तरप्रदेश.2015
- वर्मा,महादेवी.स्मृति की रेखाए
- अखिलेश.वह जो यथार्थ था

HIN-C-604

हिंदी साहित्य का इतिहास-II

तृतीय सेमेस्टर

कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे कोर्स लेवल :600

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1. साहित्य, इतिहास, साहित्येतिहास की अवधारणा एवं उपयोगिता को समझ पाएंगे

CLO 2. आदिकाल की परिस्थितियों एवं मूल प्रवृत्तियों की समझ विकसित होगी

CLO 3. भक्ति आंदोलन का उदय, परिस्थितिजन्य कारण एवं विकास की समझ विकसित होगी.

CLO 4. भक्तिकाल की विविध धाराएँ एवं प्रवृतियों को समझ सकेंगे.

CLO 5. रीतिकाल का परिचय एवं परिस्थितियों की समझ विकसित होगी.

इकाई I.आधुनिक काल का परिचयात्मक विवरण

- आधुनिक काल : सामान्य परिचय, आधुनिक काल की परिस्थितियां,आधुनिकता की अवधारणा
- हिंदी नवजागरण
- हिंदी गद्य का विकास
- हिंदी के विकास में प्रमुख संस्थाओं का योगदान,

इकाई 2.आधुनिक काव्य के विभिन्न सोपान

- भारतेंदु युग, द्विवेदी युग : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ
- छायावाद, प्रगतिवाद : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद एवं नई कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ
- समकालीन कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई 3. गद्य की विविध विधाएँ : 1

- कहानी, उपन्यास : उद्भव और विकास
- नाटक, एकांकी : उद्भव और विकास
- निबंध,: उद्भव और विकास
- रेखाचित्र, संस्मरण : उद्भव और विकास

इकाई 4.गद्य की विविध विधाएँ : 2

- जीवनी : उद्भव और विकास
- आत्मकथा : उद्भव और विकास
- यात्रा वृत्तांत : उद्भव और विकास
- रिपोर्ताज : उद्भव और विकास

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (कुल अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- सिंह, नामवर, 2004 ई. - आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप, 2010 ई. - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
- तिवारी, रामचंद्र, 2013 ई. - हिंदी का गद्य साहित्य : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- सिंह, बच्चन, 2015 ई. - हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, 2015 ई. -हिंदी साहित्य का इतिहास : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- द्विवेदी, हजारी प्रसाद, 2011 ई. -हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- नगेंद्र, 2013 ई. - हिंदी साहित्य का इतिहास : मयूर पब्लिकेशंस, नोएडा

- मिश्र, शिव कुमार, 2010 ई. - भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- डॉ॰ नगेंद्र, 2010 ई. - रीति काव्य की भूमिका : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप, 2012 ई. - हिंदी काव्य का इतिहास : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- प्रेमशंकर, 2003 ई. - भक्तिकाव्य की भूमिका : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

HIN-O 605

प्रयोजनमूलक हिंदी

तृतीय सेमेस्टर

कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे कोर्स लेवल :600

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1. भारत संघ की भाषा नीति से विद्यार्थी परिचित होंगे एवं एक जागरूक नागरिक का दायित्व पालन करने में खुद को नियोजित करेंगे ।

CLO 2. विद्यार्थियों के बीच कार्यालयीन हिंदी के प्रति रूचि एवं जागरूकता पैदा करना ।

CLO 3. हिंदी में सूचना प्रोद्योगिकी,अनुवाद आदि ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थी खुद इसमें जुड़ पाएंगे ।

इकाई 1कार्यालयी हिंदी

- हिंदी के विविध रूप
- कार्यालयी हिंदी के प्रमुख प्रकार्य :, प्रारूपण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रतिवेदन, कार्य सूची, कार्यवृत्त, परिपत्र, अधिसूचना, ज्ञापन
- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरुप एवं अनुप्रयोग, निर्माण प्रक्रिया
- कार्यालयीन पत्राचार की विशेषताएँ एवं प्रकार

इकाई 2राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति

- भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा की परिभाषा

- संघ की राजभाषा नीति
- केंद्रीय हिंदी समिति
- हिंदी सलाहकार समिति

इकाई 3. सूचना प्रोद्योगिकी और हिंदी

- जनसंचार माध्यमों का स्वरुप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट
- दृश्य श्रव्य माध्यम (चलचित्र, दूरदर्शन, वीडियो, आकाशवाणी)
- विज्ञापन की भाषा
- इंटरनेट, ई-मेल : भेजना/प्राप्त करना (डाउनलोडिंग,अपलोडिंग)

इकाई 4. वैश्विक ग्राम और प्रयोजनमूलक हिंदी

- 21 वीं सदी के वैश्विक ग्राम में प्रयोजनमूलक हिंदी का महत्व

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- जी, गोपीनाथन. (1990). अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग. दिल्ली, भारतीय ग्रन्थ निकेतन.
- टंडन, पूरनचंद. (2000). प्रशासनिक हिंदी. दिल्ली, पाण्डुलिपि प्रकाशन.
- पाण्डेय, कैलाशनाथ. (2010). प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका. इलाहबाद, लोकभारती प्रकाशन.
- शर्मा, प्रदीप के. (2019). कार्यालयी हिंदी. कानपुर, विद्या प्रकाशन.
- भाटिया, कैलाशचंद. (2010).अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयो. दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन.

HIN-E-606

पूर्वोत्तर का हिंदी साहित्य

सेमेस्टर : तृतीय

कुल अंक :100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे कोर्स लेवल : 600

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1. पूर्वोत्तर भारत एवं हिंदी साहित्य के सम्बन्ध को समझ सकेंगे.

CLO 2. पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से परिचित होंगे.

CLO 3. पूर्वोत्तर भारत की अनुदित साहित्य के माध्यम से पूर्वोत्तर की विभिन्न जनजातीय समाज की लोक समाज -संस्कृति को समझ सकेंगे.उनकी लोक मान्यताओं एवं विश्वास से रूबरू होंगे.

CLO 4. पूर्वोत्तर भारत एवं वहां की भाषा,भूगोल,ऐतिहासिक एवं आर्थिक स्थिति से परिचित होंगे

इकाई 1.पूर्वोत्तर भारत का परिचय

- **पूर्वोत्तर भारत की भौगोलिक,ऐतिहासिक एवं आर्थिक स्थिति का परिचय**
- **पूर्वोत्तर भारत का सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिचय**
- **पूर्वोत्तर भारत में हिंदी के पठन-पाठन के विभिन्न स्तर एवं उसकी वर्तमान स्थिति**
- **हिंदी के पठन पाठन में चुनौतियां एवं संभावनाएं**

इकाई 2. पूर्वोत्तर का लोक कथा साहित्य

- **जिमी -जमा : तानी कथाएं,अरुणाचल प्रदेश**
- **चेतुआंग (कोकबोरोक,त्रिपुरा)**
- **फगोरिप और तम्बम (लेप्चा,सिक्किम)**
- **बांसुरी की वेदना (बोडो,असम)**

इकाई 3.पूर्वोत्तर का हिंदी कथा साहित्य(उपन्यास) : (किसी एक का अध्ययन)

- जहाँ बांस फूलते हैं (श्री प्रकाश मिश्र)
- जंगली फूल (जोराम यालाम नाबाम)
- मेरी आवाज सुनो (जुम्सी सिराम)
- अरण्य रोदन: (सुवास दीपक)

इकाई 4.पूर्वोत्तर का अनुदित साहित्य (उपन्यास) : (किसी एक का अध्ययन)

- सोनम (असमिया)
- डम्फु(असमिया)
- आस (भूटिया)

कविता :

- तेम्सुला आओ :पहाड़ के बच्चे
- ममंग दई : नदी की कविताएँ,गांठ
- राजेन्द्र भंडारी : कविता का विकल्प नहीं

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री:

- उपाध्याय,कृष्णदेव.लोक संस्कृति की रूप रेखा, लोक भारती प्रकाशन,दिल्ली.
- गुप्ता,रमणिका,आदिवासी कौन ?राधाकृष्ण प्रकाशन
- गुप्ता,रमणिका.आदिवासी साहित्य यात्रा .राधाकृष्ण प्रकाशन
- गुप्ता,रमणिका.आदिवासी विकास से विस्थापन .राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली.
- गुप्ता,रमणिका.आदिवासी शौर्य और विद्रोह,राधाकृष्ण प्रकाशन
- तलवार,वीर भारत.झारखण्ड के आदिवासियों के बीच .राधाकृष्ण प्रकाशन
- चन्द्र,डॉ सुरेश.श्री प्रकाश मिश्र की साहित्य साधना की परख :,अमन प्रकाशन,कानपुर
- नाबाम,जोराम यालाम. जंगली फूल,अनुज्ञा बुक्स,दिल्ली.
- शुक्ल, श्री प्रकाश.जहाँ बांस फूलते हैं,यश पब्लिकेशन,दिल्ली.
- यादव,अनिल.यह भी कोई देश है महाराज,अंतिका प्रकाशन,
- हिंदी कविता का उत्तर -पूर्व : (सं) आलोक सिंह,पुस्तकनामा,गाज़ियाबाद
- गुप्ता,रमणिका.पूर्वोत्तर : आदिवासी सृजन मिथक एवं लोककथाएं(सं):,नेशनल बुक ट्रस्ट,दिल्ली.
- गुप्ता,रमणिका.पूर्वोत्तर की आदिवासी कहानियां : (सं),नेशनल बुक ट्रस्ट
- बोरा,रूमी लस्कर.डम्फु,(अनु.विजय कुमार यादव).प्रतिश्रुति प्रकाशन,कोलकाता
- तादर,जमुना बीनी.जब आदिवासी गाता है .
- थोंगछी,येशे दोरजी.सोनम,वाणी प्रकाशन,(अनु.डॉ. महेन्द्रनाथ दुबे).नई दिल्ली.
- भाईचुंग छिछुथरपा: रीछी (आस) (भूटिया से अनुदित) (अनुवाद.चुकी भूटिया),मधुराक्षर प्रकाशन,फतेहपुर
- सिराम, मेरी आवाज सुनो(उपन्यास)

HIN-E-607

प्रवासी साहित्य

सेमेस्टर : तृतीय

कुल अंक : 100 कोर्स लेवल:600

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के स्वरुप एवं अवधारणा से परिचित हो सकेंगे.

CLO 2. हिंदी प्रवासी साहित्य के माध्यम से उसके विषय वस्तु एवं शिल्प से परिचित होंगे.

CLO 3. प्रवासी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे.

CLO 4. प्रवासी साहित्य एवं मुख्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियों के अंतर को रेखांकित कर सकेंगे.

इकाई 1.प्रवासी हिंदी साहित्य की रूपरेखा

- **प्रवासी साहित्य : अवधारणा एवं स्वरुप**
- **प्रमुख प्रवासी साहित्यकार**

इकाई 2.प्रवासी हिंदी उपन्यास साहित्य

- **अभिमन्यु अनत : लाल पसीना**

इकाई 3.प्रवासी हिंदी कहानी साहित्य

- **सुषम बेदी : कतरा दर कतरा**
- **दिव्या माथुर : अंतिम तीन दिन**
- **शैलजा सक्सेना : थोड़ी देर और**
- **तेजेंद्र खन्ना :टेलीफोन लाइन**

इकाई 4. प्रवासी हिंदी कविता

- अहंकार - अनीता वर्मा (चीन)
- शायद एक चाह - अनीता कपूर (अमेरिका)
- सब कुछ चाहिए - अनिल पुरोहित (कनाडा)
- अपनी राह से - पुष्प अवस्थी (नीदरलैंड)
- यह घडी - राजेन्द्र श्रीवास्तव (ब्रिटेन)

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- वर्मा,विमलेश कांति : फीजी में हिंदी का स्वरूप और विकास
- गोयनका,कमल किशोर :अभिमन्यु अनत
- श्रीवास्तव,मुरलीधर.हिंदी के यूरोपीय विद्वान : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- के .हजारी सिंह.मॉरिशस के भारतीयों का इतिहास
- सिंह,नीबत.बलवंत सिंह (सं.)विश्व दर्पण : अंतर्राष्ट्रीय कविता संग्रह,
- चतुर्वेदी,जगदीश प्रसाद.फीजी में प्रवासी भारतीय.
- ऋतुपर्ण,डॉ सुरेश.हिंदी की विश्व यात्रा.
- राणा,मोहन.जैसे जनम का कोई दरवाजा
- श्रीवास्तव,डॉ.सत्येन्द्र.कहीं क्षितिज कहीं लहरें.
- नंदन,डॉ.कन्हैया लाल.गगनांचल : विश्व हिंदी अंक.
- सिंह,के हजारी.मोरीशस में भारतीयों का इतिहास
- वर्तमानसाहित्य', कुंवरपाल सिंह, नमिता सिंह (संपादक), जनवरी-फरवरी-20065

- कमल 2- कमल किशोर गोयनका, विश्व हिंदी रचना, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, नई दिल्ली-2003
- प्रवासी साहित्य : जोहान्सबर्ग से आगे, प्रधान संपादक, डॉ. कमल किशोरगोयनका, प्रकाशक- विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली, संस्करण-2015
- डॉ.कमल किशोर गोयनका, हिंदी का प्रवासी साहित्य, प्रथम संस्करण 2011, अमित
- 10 वॉ विश्व हिन्दी सम्मेलन (स्मारिका)
- अप्रवासी, मंजुकपूर , रैण्डमहाउसइंडिया , नोएडा , 2009
- उड़नेसेपेशतर , महेन्द्रभल्ला , राजकमलप्रकाशन , नईदिल्ली , 2010
- गाथाअमरबेलकी, सुषमबेदी , नेशनलपब्लिशिंगहाउस , नईदिल्ली , 2015
- दिशाएँबदलगई, नरेशभारतीय , राजपालएंडसंस , दिल्ली , 2014
- पथरीलासोना, रामदेवधुरंधर , हिंदीबुकसेण्टर , नईदिल्ली , 2012
- पूछोइसमाटीसे, रामदेवधुरन्धर , नेशनलपब्लिशिंगहाउस , नईदिल्ली , 2012
- लौटना, सुषमबेदी , परागप्रकाशन , दिल्ली , 2011
- हवन, सुषमबेदी , परागप्रकाशन , दिल्ली , 2010

QUEST KNOWLEDGE WISDOM
SIKKIM UNIVERSITY
ESTD 2007

HIN-E-608

रत्नहरि : विशेष अध्ययन

सेमेस्टर : तृतीय

कुल अंक : 100 कोर्स लेवल:600

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के स्वरुप एवं अवधारणा से परिचित हो सकेंगे.

CLO 2. राम कथा के मधुर पक्ष को जान लेंगे.

CLO 3. विद्यार्थियों की भाषिक सम्पन्नता में सुधर होगा ।

CLO 4. अयोध्या, सरयू, राम नवमी, जैसे भारतीय प्रतीकों को सांस्कृतिक संदर्भ में समझ सकेंगे.

CLO 5.काव्य शास्त्रीय विश्लेषण सीख सकेंगे.

CLO 6.सौंदर्य बोध से परिचित होकर सौंदर्य की सराहना करना सीखेंगे.

इकाई 1.राम की बाल लीला (15 पद)

इकाई 2अयोध्या और सरयू चित्रण (15 पद)

इकाई 3श्री राम के सौंदर्य का प्रभाव (15 पद)

इकाई 4श्री राम का विवाह वर्णन (15 पद)

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन**
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	**विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा**

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- **रत्नहरि, राम रहस्य, पांडूलिपि, रचनाकाल संवत 1899**

HIN-E-609

समकालीन गद्य साहित्य

सेमेस्टर : तृतीय

कुल अंक : 100 कोर्स लेवल:600

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1. समकालीन साहित्य की अवधारणा से परिचित होंगे.

CLO 2. समकालीन साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे.

CLO 3. समकालीन प्रमुख साहित्यिक कृति एवं उनके कृतिकार के विषय में विद्यार्थी जान सकेंगे.

इकाई 1उपन्यास - 1

(किसी एक का अध्ययन)

- **विज़न : मैत्रेयी पुष्पा**
- **दस द्वारे का पिंजरा : अनामिका**

इकाई 2उपन्यास - 2

- **गूँगी रुलाई का कोरस: रणेंद्र**

इकाई 3 कहानी

- **तिरिछ : उदय प्रकाश**
- **तिरिया चरित्तर : शिवमूर्ति**
- **घुसपैठिये : ओम प्रकाश वाल्मीकि**
- **फिक्स डिपाजिट : रोज के रकेट्टा**
- **किन्नर : एस आर हरनोट**

- बिसात : राकेश बिहारी
- मानपत्र : संजीव

इकाई 4 नाटक

- जिस लाहौर नई देख्या, वो जन्मयाई नई - असगर वजाहत
- कोर्ट मार्शल : स्वदेश दीपक

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट• (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- चतुर्वेदी,डॉ.रामस्वरूप.समकालीन हिंदी साहित्य: विविध परिदृश्य,राधाकृषण प्रकाशन,नई दिल्ली.
- शर्मा,प्रो.श्री राम.समकालीन हिंदी साहित्य : विविध विधाएं,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.
- जैन,नेमीचंद,आधुनिक हिंदी नाटक एवं रंगमंच
- तनेजा,जयदेव.समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच.
- सिंह,विजयमोहन.आज की हिंदी कहानी,राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली.
- डॉ हरदयाल,हिंदी कहानी की प्रगति,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.
- मधुरेश,हिंदी कहानी अस्मिता की तलाश,आधार प्रकाशन,पञ्चकूला.
- खेतान,प्रभा,छिन्नमस्ता,राजकमल प्रकाशन
- शुक्ल,विनोद कुमार,दीवार में एक खिड़की रहती थी.वाणी प्रकाशन.
- विज़न,मैत्रेयी पुष्पा,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.

HIN-E-610

समकालीन हिंदी काव्य

सेमेस्टर : तृतीय

कुल अंक : 100 कोर्स लेवल:600

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1. समकालीन हिंदी कविता की अवधारणा को समझ सकेंगे।

CLO 2. समकालीन हिंदी कविता संबंधी विद्वानों के मंतव्यों को जान सकेंगे।

CLO 3. समकालीन हिंदी काव्य को समझने का विवेक विकसित हो सकेगा।

CLO 4.प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनात्मक संवेदना से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 1समकालीन हिंदी काव्य : परिचय एवं स्वरूप

- **समकालीन हिंदी कविता: अवधारणा एवं विकास यात्रा**
- **समकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ**
- **हिंदी कविता का समकालीन परिदृश्य**
- **अस्मितामूलक हिंदी कविता**

इकाई 2प्रमुख कवि एवं चयनित कविताएं

- **अरुण कमल- हमारे युग के नायक**
- **अनामिका- हत्या**
- **राजेश जोशी- संयुक्त परिवार**
- **विनोद कुमार शुक्ल- जो मेरे घर कभी नहीं आएंगे**

इकाई 3प्रमुख कवि एवं चयनित कविताएं

- वीरेन डंगवाल- हमारा समाज
- भगवत रावत- भाषा चाहिए, डर
- ज्ञानेंद्रपति- कोरोना-काल में अड़हुल
- केदारनाथ सिंह- मातृभाषा

इकाई 4प्रमुख कवि एवं चयनित कविताएं

- निर्मला पुतुल- क्या तुम जानते हो
- ओमप्रकाश वाल्मीकि- कविता और फ़सल
- आलोक धन्वा- गोली दागो पोस्टर
- लीलाधर जगूड़ी- बची हुई पृथ्वी

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- समकालीन हिंदी कविता, ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
- समकालीन हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013
- समकालीन कविता के बारे में, नरेंद्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
- सदी के अंत में कविता, विजय कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
- समकालीन कविता का यथार्थ, परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010
- दुनिया रोज बनती है, आलोक धन्वा, राजकमल प्रकाशन, 2014
- खुरदुरी हथेलियाँ, अनामिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2019

- तिमिर में ज्योति जैसे (कोरोना काल की कविताएं), अरुण होता (संपादक),सेतु प्रकाशन प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली, 2021
- नया पथ, संपादक: मुरली मनोहर प्रसाद सिंह एवं चंचल चौहान, अक्टूबर-दिसंबर-2021, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि कविताएं, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, 2012
- प्रतिनिधि कविताएं, विनोद कुमार शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, 2013
- प्रतिनिधि कविताएं, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, 2014
- प्रतिनिधि कविताएं, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, 2013
- प्रतिनिधि कविताएं, कुँवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, 2017
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, 2014
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010
- प्रतिनिधि कविताएं, रघुवीर सहाय, राजकमल प्रकाशन, 2018
- प्रतिनिधि कविताएं, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, राजकमल प्रकाशन, 2018
- कवि ने कहा (चुनी हुई कविताएं), नरेश सक्सेना, किताबघर प्रकशन, नई दिल्ली, 2014
- नगाड़े की तरह बजते शब्द, निर्मला पुतुल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2016
- सदियों का संताप, ओमप्रकाश वाल्मीकि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
- महामारी और कविता, श्रीप्रकाश शुक्ल, सेतु प्रकाशन प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली, 2021
- नई कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990
- दुष्चक्र में स्रष्टा, वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
- प्रतिनिधि कविताएं, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, 2018
- प्रतिनिधि कविताएं, मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, 2017

HIN-E-611

पर्यावरणीय हिंदी साहित्य

सेमेस्टर : तृतीय

कुल अंक : 100 कोर्स लेवल:600

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1. इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्धि पर्यावरण केन्द्रित साहित्य से परिचित हो सकेगे.

CLO 2. प्रकति चेतना के प्रति विद्यार्धियों में समझ विकसित हो सकेगी.

CLO 3.साहित्य की विविध विधाओं में अभिव्यक्त पर्यावर्णीय चिंतन को विधार्थी समझ सकेगे

CLO 4. छात्र पर्यावरण के प्रति जागरूक और सचेष्ट हो सकेंगे.

इकाई 1पर्यावरण सिध्दांत और स्वरुप

- **अर्थ एवं परिभाषा**
- **अवधारणा एवं स्वरुप**
- **उपयोगिता एवं आवश्यकता**
- **पर्यावरण विमर्श एवं चिंतन**

इकाई 2पौराणिक साहित्य में प्रकृति चिंतन

- **वैदिक साहित्य और पर्यावरण**
- **पौराणिक आख्यान**
- **लौकिक साहित्य और पर्यावरण**
- **लोक संस्कृति और पर्यावरण**

इकाई 3हिंदी उपन्यास और पर्यावरण

- **दीवार में एक खिड़की रहती थी -विनोद कुमार शुक्ल**

- मरंगगोड़ानीलकंठ हुआ -महुआ माजी
- सावधान नीचे आग हैं-संजीव
- दावानल-नवीन जोशी

इकाई 4पर्यावरण चिंतन और हिंदी काव्य

- श्रीरामचरितमानस (अरण्यकांड दोहा संख्या 1-10)-गोस्वामी तुलसीदास.
- काला तेंदुआ-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
- पानी, एक वृक्ष भी बचा रहे तथा समुद्र पर हो रही है बारिश -नरेश सक्सेना
- विस्थापन,वसंत एवं पत्तों के हिलने की आवाज़-एकांत श्रीवास्तव

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- डॉ. प्रभाकरन हेब्बार इल्लत.पर्यावरण और समकालीन हिंदी साहित्य (2019). वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
- त्रिपाठी विश्वनाथ. लोकवादी तुलसीदास (2005), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
- शिवगोपाल मिश्र, वायु प्रदूषण (2014). प्रभात प्रकाशन, दिल्ली.
- शर्मा,दामोदर.आधुनिक जीवन और पर्यावरण (2011).प्रभात प्रकाशन, दिल्ली.
- व्यास, हरिश्चंद्र. मानव और पर्यावरण (2013). प्रभात प्रकाशन, दिल्ली.
- शर्मा, श्यामसुंदर. सागर प्रदूषण (2008). प्रभात प्रकाशन, दिल्ली.
- चातक,गोविन्द. प्रकृति, संस्कृति और पर्यावरण (2005). नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली.
- व्यास, हरिश्चंद्र.पर्यावरण शिक्षा (2000).प्रभात प्रकाशन, दिल्ली.

HIN-R-612

शोध प्रविधि

कुल अंक : 100

तृतीय सेमेस्टर

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे कोर्स लेवल : 600

शिक्षण अधिगम परिणाम:

विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के पश्चात सीख सकेंगे :

CLO 1 : शोध की विविध प्रविधियों की समझ के द्वारा अपने उद्देश्य की पूर्ति करने में सफल होंगे.

CLO 2 : शोध समस्या का समाधान ढूंढकर उचित निष्कर्ष तक पहुंचेंगे

CLO 3 : संदर्भ शैलियों के उपयुक्त प्रयोग के माध्यम से साहित्यिक चोरी से बचेंगे और दूसरे व्यक्तियों के शोध कार्य और नवीन विचारों की सराहना करेंगे

CLO 4 : शोध कार्य के द्वाराज्ञान क्षेत्र का सीमा विस्तार करते हुए समाज को समृद्ध और सुखी बनाने में योगदान देंगे.

इकाई 1 शोध का अर्थ और स्वरूप

- अर्थ एवं परिभाषा
- तत्व एवं प्रकार
- अनुसंधानकर्ता के गुण
- अनुसन्धान एवं आलोचना में अंतर

इकाई 2 शोध की विविध दृष्टियाँ

- साहित्यिक शोध,साहित्य का समाज शास्त्रीय शोध, साहित्य का मनोवैज्ञानिक शोध

- साहित्य का सौन्दर्यशास्त्रीय शोध, काव्यशास्त्रीय शोध, साहित्येतिहास संबंधी शोध
- भाषा सर्वेक्षण की विधि, भाषा वैज्ञानिक शोध, तुलनात्मक साहित्यिक शोध
- लोक साहित्यिक शोध, पांडुलिपियों का पाठानुसंधान

इकाई 3: शोध प्रविधि

- अनुगामानात्मक-निगमनात्मक
- समाजशास्त्रीय पद्धति
- मात्रात्मक और गुणात्मक प्रविधि,
- मनोवैज्ञानिक प्रविधि

इकाई 4. शोध प्रारूप

- शोध की रूपरेखा
- शोध प्रविधि, शोध अध्ययन का महत्त्व, शोध की सीमाएं
- प्रस्तावित अध्याय विभाजन, 10. संदर्भ ग्रन्थ सूची
- शोध की संदर्भ शैलियाँ - एपीए, एमएलए, हार्वर्ड आदि

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- भारद्वज,मैथिली प्रसाद,शोध प्रविधि,आधार प्रकाशन,2005
- प्रो.एस एन गणेशन,अनुसन्धान प्रविधि: सिद्धांत और प्रक्रिया,लोक भारती प्रकाशन.इलाहाबाद.
- डॉ नगेन्द्र,शोध और सिद्धांत,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली.1961
- डॉ.हरिश्चंद्र वर्मा,शोध प्रविधि,हरियाणा साहित्य अकादमी.पंचकूला.2006
- बैजनाथ सिंघल,शोध का स्वरुप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.

HIN-C 651

आधुनिक विमर्श

सेमेस्टर : चतुर्थ
कुल अंक : 100
L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे कोर्स लेवल :600

शिक्षण अधिगम परिणाम :
इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 : इस प्रश्न पत्र से विद्यार्थी विमर्शों की सैद्धांतिकी से परिचित हो सकेंगे।
CLO 2 : समकालीन विमर्शों के महत्व को समझ सकेंगे।
CLO 3 : विमर्शों के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
CLO 4 : साहित्य और विमर्श की अवधारणा एवं अंतःसंबंधों को समझ सकेंगे।

इकाई 1. विमर्श की अवधारणाऔर स्वरूप

- स्त्री विमर्श
- दलित विमर्श
- आदिवासी विमर्श
- पर्यावरण विमर्श

इकाई 2 मूल पाठ: स्त्री विमर्श

- अनामिका के कविता संग्रह खुरदुरी हथेलियाँ से चयनित कविताएं

इकाई 3 मूल पाठ: दलित विमर्श

- आत्मकथा मुर्दहिया: तुलसीराम

इकाई 4 मूल पाठ: आदिवासी एवं पर्यावरण विमर्श

- उपन्यास : जंगली फूल (निशी जनजाति पर केन्द्रित) जोराम यालाम नाबाम
- महादेव टोपो - जंगल पहाड़ (काव्य संग्रह)

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (कुल अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- वाल्मीकि, ओमप्रकाश. (2008). दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- मीनू, रजतरानी.(2011). हिंदी दलित कथा साहित्य अवधारणाएँ और विधाएँ . नई दिल्ली: अनामिका प्रकाशन.
- बेचैन, श्योराज सिंह .(2009). उत्तर सदी के हिंदी कथा साहित्य में दलित विमर्श . नई दिल्ली: अनामिका प्रकाशन
- गुप्ता, रमणिका. (2013). स्त्री विमर्श. नई दिल्ली: शिल्पायन प्रकाशन . जैन , अरविंद.(2009). औरत होने की सज़ा. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
- शर्मा, क्षमा. (2010). स्त्री का समय. नई दिल्ली: मेधा बुक्स सेंटर.
- रमाबाई, पंडिता.(1995). हिन्दू स्त्री का जीवन. मुंबई: संवाद प्रकाशन.
- अनामिका.खुरदुरी हथेलियाँ. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- वाल्मीकि, ओमप्रकाश. (2005). प्रतिनिधि कविताएं. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
- मिश्र, श्रीप्रकाश जहाँ बांस फूलते हैं (मिजो जनजाति की पृष्ठभूमि पर). 2000. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.

HIN-C 652

आधुनिक भारतीय साहित्य

सेमेस्टर : चतुर्थ
कुल अंक : 100
L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे कोर्स लेवल :600

शिक्षण अधिगम परिणाम :
इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 : भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे

CLO 2 : भारत की विविध संस्कृतियों से परिचित हो पाएंगे

CLO 3 : भारत की विविध भाषाओं में रचित महत्वपूर्ण कृतियों को जान पाएंगे

CLO 4 : आधुनिक कालीन पद्य साहित्य की विविध विधाओं में रचित महत्वपूर्ण रचनाओं के उद्देश्य से परिचित हो पाएंगे

इकाई 1भारतीय साहित्य एवं संस्कृति

- भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
- बहुभाषिकता और भारतीय साहित्य
- सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत
- बहु-सांस्कृतिकता और भारतीय साहित्य

इकाई 2 उपन्यास

- संस्कार- यू.आर. अनंत मूर्ति (कन्नड़)
- मढी का दीया - गुरदियाल सिंह (पंजाबी)

इकाई 3नाटक

- पगला घोड़ा'- बादल सरकार (बंगला)
- घासीराम कोतवाल- विजय तेंदुलकर (मराठी)

इकाई 4कविता

- हीरेन भट्टाचार्य-पृथ्वी मेरी कविता,
- ग़ालिब-कोई उम्मीद बर नहीं आती,
- सुब्रहमण्यम भारती- स्वतंत्रता,
- अमृता प्रीतम- वारिस शाह, रवीन्द्रनाथ टैगोर- जहाँ चित्त भयशून्य

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (कुल अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- डॉ नगेंद्र, 2009 ई. - भारतीय साहित्य : साहित्य अकादमी, दिल्ली
- डॉ नगेंद्र, 1999 ई. - भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली
- मिश्र, राजेंद्र, 2001 ई. - भारतीय साहित्य की अवधारणा : तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- शर्मा, रामविलास, 2000 ई. - भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- मिश्र, अवधेश नारायण, पाण्डेय, नंदकिशोर (2000 ई - आधुनिक भारतीय कविता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- तेंदुलकर विजय, 2008 ई. - घासीराम कोतवाल : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

HIN-O 653

अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार (अंग्रेजी हिंदी के संदर्भ में)

सेमेस्टर : चतुर्थ

कुल अंक : 100

L+T+P: 3+1+0 = 4 क्रेडिट

व्याख्यान : 45 घंटे + 15 ट्यूटोरियल + प्रैक्टिकल : 0 घंटे कोर्स लेवल :600

शिक्षण अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी सीख सकेंगे :

CLO 1 : हिंदी के साथ साथ अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य की जानकारी होगी

CLO 2 : भारतीय साहित्य एवं संस्कृति वैश्विक स्तर पर प्रचारित एवं प्रसारित होगी

CLO 3 : कार्यालय के क्षेत्र में जितने भी पत्र-व्यवहार किया जाता है उसे दोनों भाषाओं में विद्यार्थी कर पाएंगे।

इकाई 1 अनुवाद: स्वरूप, प्रविधि एवं प्रक्रिया

- अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, प्रकार, विशेषताएँ, अनुवाद का महत्व,
- अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं,
- अनुवाद में रोजगार की संभावनाएँ,
- नाइडा के अनुवाद प्रक्रिया के विविध चरण, अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति

इकाई 2 अनुवाद की समस्याएं

- साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं,
- वैज्ञानिक अनुवाद की समस्याएं,
- तकनीकी अनुवाद की समस्याएं
- पूर्वोत्तर भारतीय भाषाओं में हिंदी अनुवाद की स्थिति एवं समस्याएँ

इकाई 3 अनुवाद के साधन और पारिभाषिक शब्दावली.

- अनुवाद के साधन:अनुवाद में कोश का महत्व, कोश के प्रकार, कोश का महत्व
- शब्दकोश के उपयोग, थियारस के उपयोग, पर्यायकोश के उपयोग, पारिभाषिक कोश के उपयोग
- अनुवाद पारिभाषिक शब्दावली का महत्व:पारिभाषिक शब्द: तात्पर्य तथा लक्षण,

- सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका

इकाई 4 अनुवाद का पुनरीक्षण और व्यवहारिक अनुवाद

- अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा
- हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद
- अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद
- पूर्वोत्तर की प्रमुख भाषाओं से हिंदी में अनुवाद

शिक्षण अधिगम पद्धति :

व्याख्यान,पुस्तकालय अध्ययन,तार्किक विश्लेषण,सेमिनार,समूह प्रेजेंटेशन,क्लास टेस्ट,असाइनमेंट,मौखिक परीक्षा एवं प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन पद्धति :

फ़ॉर्मेटिव असेसमेंट (अंक : 50)	क्लास टेस्ट,स्व परीक्षण,क्लास असाइनमेंट,होम असाइनमेंट,सेमिनार,प्रेजेंटेशन
सम्मेटिव असेसमेंट (कुल अंक : 50)	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रांत परीक्षा

प्रस्तावित अध्ययन सामग्री :

- भाटिया, कैलाशचंद्र, 2010 ई. - राजभाषा हिंदी : हिंदी पुस्तक केंद्र, दिल्ली
- श्रीवास्तव, गोपीनाथ, 2008 ई. - सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- झाल्टे, दंगल, 2013 ई. - प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भाटिया, कैलाशचंद्र , 2010 ई. - अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग , तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
- तिवारी, भोलानाथ, 2003 ई. - अनुवाद विज्ञान : शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
- टंडन, पूरनचंद, अनुवाद के विविध आयाम : तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
- नगेंद्र, 2010 ई. - अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नेशनल पाब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- गोपीनाथन, जी., 1990 ई. - अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग : भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
- चमोला, दिनेश, 2004 ई. - अनुवाद और अनुप्रयोग :अदिश प्रकाशन, देहरादून

HIN-R-654

लघु शोध-प्रबंध (मौखिक परीक्षा सहित)

क्रेडिट-4 **अंक-300**

नोट -

1. इस प्रश्न-पत्र के लिए विषय विभाग के द्वारा निर्धारित किया जाएगा
2. लघु शोध-प्रबंध लेखन कार्य प्रभारी अध्यापक के दिशा-निर्देशन में किया जाएगा
3. इसके लिखित अंक 150 और मौखिक अंक 150 होंगे
4. लघु शोध-प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी बाह्य परीक्षकों द्वारा संपन्न होगी

QUEST
KNOWLEDGE
WISDOM
SIKKIM UNIVERSITY
ESTD
2007